गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

26 जनवरी 2025
रविवार

आपकी आवाज

गांधी जी के सपनों को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत सरकार ने की पद्म पुरस्कार की घोषणा

शारदा सिन्हा, सुशील मोदी, आचार्य समेत 139 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत सरकार ने शनिवार को पद्म पुरस्कार 2025 की घोषणा की। राष्ट्रपति ने 139 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इस सूची में 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं हैं। इस सूची में 10 विदेशी और 13 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामिल हैं। असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए दिए जाने वाले पद्म विभूषण पुरस्कार में तेलंगाना से डॉक्टर दुर्वुर नागेश्वर रेड्डी (चिकित्सा), कर्नाटक से वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम (कला) और मरणोपरांत साहित्यकार एम. टी. वासुदेवन नायर (केरल) शामिल हैं। वहीं पद्म भूषण पुरस्कार में महाराष्ट्र से फिल्म निर्देशक शेखर कपूर (कला), उत्तर प्रदेश से साध्वी ऋतंभरा (सामाजिक कार्य) और दिल्ली से मरणोपरांत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय (साहित्य और शिक्षा) हैं।

बिहार की दिग्गज हस्तियों में गायिका शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वहीं बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता रहे सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया है। समाज सेवा के लिए भीम सिंह भावेश, चिकित्सा के क्षेत्र में हेमंत कुमार, सिविल सेवा के लिए किशोर कुणाल को (मरणोपरांत), निर्मला देवी को कला के लिए और विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज को अध्यात्मवाद के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।

भीम सिंह भावेश भोजपुर के एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। पिछले 22 सालों से वे 'नई आशा' नाम के अपने संगठन के जरिए मुसहर समुदाय के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। मुसहर समुदाय, समाज के सबसे हाशिये पर रहने वाले समूहों में से एक है। इसके लिए उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। पी दत्ताचनमूर्ति एक वाद्य यंत्र विशेषज्ञ हैं। वे थाविल बजाते हैं, जो दक्षिण भारतीय संगीत और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण वाद्य यंत्र है। उन्हें इस क्षेत्र में 5 दशकों से भी ज्यादा का अनुभव है।

शारदा सिन्हा

सुशील कुमार मोदी

किशोर कुणाल

साध्वी ऋतंभरा

पद्म विभूषण

- दुव्वूर नागेश्वर रेड्डी (चिकित्सा, तेलंगाना)
- न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री जगदीश सिंह खेहर (लोक कार्य, चंडीगढ़)
- कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया (कला, गुजरात)
- लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम (कला, कर्नाटक)
- एमटी वासुदेवन नायर (मरणोपरांत) (साहित्य और शिक्षा, केरल)
- ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत) (व्यापार और उद्योग, जापान)
- शारदा सिन्हा (मरणोपरांत) (लोक गायिका, बिहार)

पद्म भूषण

- ए सूर्य प्रकाश (साहित्य और शिक्षा-पत्रकारिता, कर्नाटक)
- अनंत नाग (कला, कर्नाटक)
- बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत) (साहित्य और शिक्षा, दिल्ली)
- जतिन गोस्वामी (कला, असम)
- जोस चाको पेरियापुरम (चिकित्सा)
- कैलाश नाथ दीक्षित (पुरातत्व, दिल्ली)
- मनोहर जोशी (मरणोपरांत) (लोक कार्य, महाराष्ट्र)
- नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी (व्यापार और उद्योग, तमिलनाडु)
- नंदमुरी बालकृष्ण (कला, आंध्र प्रदेश)
- पी आर श्रीजेश (खेल, केरल)
- पंकज पटेल (उद्योग, गुजरात)
- पंकज उधास (मरणोपरांत) कला
- रामबहादुर राय (साहित्य और शिक्षा-पत्रकारिता, उत्तर प्रदेश)
- साध्वी ऋतंभरा (समाज सेवा, उप्र)
- एस अजित कु (कला, तमिलनाडु)
- शेखर कपूर (कला, महाराष्ट्र)
- शोभना चंद्रकुमार (कला, तमिलनाडु)
- सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत) (लोक कार्य, बिहार)
- विनोद धाम (विज्ञान और इंजीनियरिंग, अमेरिका)

पद्मश्री

कुवैत की योग टीचर शेख ए.जे. अल सबाह, उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपत्ति ह्यूग और कोलीन गैंटजर, भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पत्रकार भीम सिंह भावेश, उपन्यासकार जगदीश जोशीला, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए काम करने वाली नीरजा भाटला, नागालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चानमूर्ति, मध्य प्रदेश के सामाजिक उद्यमी सैली होलकर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली, विलास डांगरे, वेंकप्पा अंबाजी सुगातेकर, हरिमन शर्मा, जुमदे योमगाम गामलिन, नरेन गुरुंग और जगदीश जोशीला, बतूल बेगम, पंडि राम मंडावी, निर्मला देवी, जगदीश जोशीला: साहित्य एवं शिक्षा (निमाड़ी) मध्य प्रदेश, जोनास मसेटीआध्यात्मिकता, ब्राजील के वेदांत गुरु, पी. दत्चनमूर्ति कला (संगीत), थाविल, पुडुचेरी, हरिमन शर्मा: कृषि, सेब, हिमाचल प्रदेश, नरेन गुरुंग: कला-गायन (लोक-नेपाली), सिक्किम, हरविंदर सिंह: खेल (दिव्यांग), तीरंदाजी, हरियाणा, विलास डांगरे: चिकित्सा, होम्योपैथी, महाराष्ट्र समेत अन्य शामिल हैं।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 26 जनवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित

गांधीजी के सपनों को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार! गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई देती हूं। विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था लेकिन भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा... आज के दिन सबसे पहले हम उन सूरवीरों को याद करते हैं जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी... इस वर्ष हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं। वे ऐसे अग्रणी स्वाधीनता सेनानियों में शामिल हैं, जिनकी भूमिका को राष्ट्रीय इतिहास के संदर्भ में अब समुचित महत्व दिया जा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिनका परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ हो। ये जीवन मूल्य को सदा से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग रहे हैं। भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में दिखाई देता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है जिसके अनुसार आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना द्वारा रोजगार और आमदनी के अवसर उत्पन्न करके अनुसूचित जातियों के लोगों की गरीबी को तेजी से कम किया जा रहा है। सरकार ने वित्त के क्षेत्र में जिस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है, वह एक मिसाल है। भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक राष्ट्र एक चुनाव पहल की वकालत की है। उन्होंने कहा कि इससे शासन में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा, नीतिगत दुर्बलता को रोकने में मदद मिलेगी, संसाधनों का सदुपयोग होगा और वित्तीय बोझ भी कम होगा। इस पहल में देश में सुशासन स्थापित करने की क्षमता है।

राष्ट्रपति बोलीं... देश में क्षेत्रीय भाषाओं को दिया जा रहा बढ़ावा

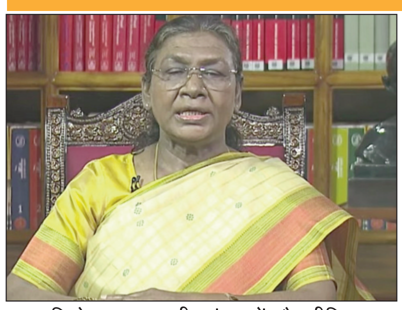

राष्ट्रपति ने कहा- हमारी परंपराओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने तथा उनमें नई ऊर्जा का संचार करने के लिए संस्कृति के क्षेत्र में अनेक उत्साह-जनक प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे प्रसन्नता है कि गुजरात के वडनगर में भारत के प्रथम पुरातात्विक अनुभवात्मक संग्रहालय का कार्य पूरा होने वाला है। शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शिक्षण-माध्यम के रूप में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, बढ़ते आत्मविश्वास के साथ हम अनेक प्रयासों के बल पर अत्याधुनिक अनुसंधान में अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने इस मौके पर इसरो की उपलब्धियों और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय प्रगति के बल पर हम अपना सिर ऊंचा करके भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2024 में डी. गुकेश ने अब तक का सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।

आप सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई: देश के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- आज के दिन हम गांधीजी के सपनों को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। मैं, एक बार फिर आप सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देती हूं। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले हमारे सैनिकों के साथ-साथ सीमाओं के भीतर देश को सुरक्षित रखने वाले पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी मैं बधाई देती हूं। न्यायपालिका, सिविल सेवाओं और विदेशों में हमारे मिशनों के सदस्यों को भी मेरी बधाई!

ममता कुलकर्णी को लेकर विवाद

नई दिल्ली। अभिनेत्री ममता कुलकर्णी के किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने पर विवाद हो गया है। कई संत नाराज हैं। शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर ने कहा- किन्नर अखाड़े को मान्यता देकर पिछले कुंभ में महापाप हुआ था। कुंभ का मजाक बनाने का प्रयास हो रहा है।

आर्म्ड फोर्स और सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्म्ड फोर्स और सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार देने की मंजूरी दी। इनमें 2 कीर्ति चक्र (1 मरणोपरांत) और 14 शौर्य चक्र (3 मरणोपरांत) शामिल हैं। कीर्ति चक्र देश का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है। यह 22 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर मंजीत और 28 राष्ट्रीय राइफल्स के नायक दिलवर खान (मरणोपरांत) को प्रदान किया गया है। इसके अलावा आर्म्ड फोर्स और अन्य कर्मियों को 305 डिफेंस डेकोरेशन की भी मंजूरी दी गई है। इनमें 30 परम विशिष्ट सेवा मेडल, पांच उत्तम युद्ध सेवा मेडल, 57 अति विशिष्ट सेवा मेडल, 10 युद्ध सेवा मेडल शामिल हैं। इसके साथ ही एक बार टू सेना मेडल (वीरता), 66 सेना मेडल (सात मरणोपरांत), 2 नौ सेना मेडल, और 8 वायु सेना मेडल, चार बार टु विशिष्ट सेवा मेडल और 132 विशिष्ट सेवा मेडल शामिल हैं।

बीजेपी का वादा... यमुना नदी को तीन साल में कर देंगे साफ

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बीजेपी ने अपने घोषणापत्र का तीसरा पार्ट जारी कर दिया। पार्टी ने यह संकल्प पत्र केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में जारी किया। संकल्प पत्र जारी होने के बाद अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि बीजेपी की परंपरा है, हम चुनाव को बहुत गंभीरता से लेते हैं, चुनाव को जनसंपर्क का माध्यम भी मानते हैं।

उन्होंने कहा है कि चुनावों के माध्यम से बनने वाली सरकारों के नीति निर्धारण को निश्चित करने के लिए हम जनता के बीच जाकर चुनाव में बीजेपी से उनकी क्या अपेक्षा है, ये जानकारी भी एकत्र करते हैं। उन्होंने कहा कि हम केजरीवाल की तरह कोरे वादे नहीं करते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल ने कहा था कि 7 साल में मैं यमुना को एकदम शुद्ध कर दूंगा और कहा था कि मैं दिल्लीवालों के सामने यमुना में डुबकी लगाऊंगा। मैं केजरीवाल जी को याद कराना चाहता हूं कि केजरीवाल जी दिल्ली की जनता आपकी उस विश्वप्रसिद्ध डुबकी की राह देख रही है कि कब आप डुबकी लगाओगे।

बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में गिग वर्कर्स के लिए नई योजनाएं की है। उन्हें 10लाख तक का जीवन बीमा, के अलावा रियायती वाहन बीमा, 5 लाख तक का दुर्घटना बीमा और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृति देने का ऐलान किया है। इसके अलावा बीजेपी के संकल्प पत्र के तीसरे हिस्से में दिल्ली की जनता से कई वादे किए गए हैं, जिसमें सरकारी नौकरी और महाभारत कॉरिडोर बनाने के अलावा सत्ता में आने पर यमुना नदी को 3 साल में साफ करने का वादा भी किया गया है। अमित शाह ने 1700 से ज्यादा अवैध कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए भी बड़ी बात कही हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने पर इन कॉलोनियों में रहने वालों को संपूर्ण हक दिलाया जाएगा। साथ ही सील किए गए 13 हजार दुकानों को फिर से खुलवाने का वादा भी किया गया है।

दिशा की बैठक संपन्न, छाया रहा शिक्षा व स्वास्थ्य का मुद्दा

सदर अस्पताल में जल्द शुरू करें आईसीयू की सेवा: सांसद

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्षा में दिशा की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क समेत कई मुद्दे छाए रहे।

बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने की। बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे अधिक स्वास्थ्य व शिक्षा का मुद्दा छाया रहा। बैठक में उपस्थित बक्सर सांसद सुधाकर सिंह व सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने सदर अस्पताल में आईसीयू व्यवस्था को सुचारू रूप से चालू करने की मांग की। इसके अलावे सांसद व

♦ बैठक में बक्सर सांसद, सदर व डुमरांव विधायक ने उठाए आधा दर्जन सवाल

विधायक ने सदर अस्पताल व डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पूर्ण रूप से अल्ट्रा साउंड चालू करने की मांग की। सांसद ने कहा कि आईसीयू व अल्ट्रा साउंड के अभाव में गरीब मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है, वही निजी अस्पताल उनका आर्थिक दोहन कर रहे है। इसके अलावे सांसद व विधायक ने रोस्टर के अनुसार डॉक्टरों की ड्यूटि कराने, रात में सदर अस्पताल में डॉक्टर की तैनाती सुनिश्चित कराने की बात कही। डीएम ने तत्काल सीएस को आईसीयू व अल्ट्रा साउंड की व्यवस्था करने के साथ ही रोस्टर के अनुसार डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

इसके अलावे भी बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में सांसद सुधाकर सिंह, सदर विधायक संजय कुमार उर्फ मुन्ना तिवारी, राजपुर विधायक विश्वनाथ राम, डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह, ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ सिंह, जिला परिषद की चेयरमैन सरोजा देवी, डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल, एसपी शुभम आर्य समेत कई अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

डुमरांव विधायक ने उठाया सड़कों का मुद्दा

वही, डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुशवाहा ने बैठक में सवाल उठाया कि डुमरांव के शहरी क्षेत्र में एनएच 120 का मरम्मत क्यों नहीं हो रहा है, जबकि इसके मरम्मत के लिए 20 लाख रूपए की राशि आई है।
विधायक ने कहा कि एनएचआई के अभियंताओं की लापरवाही से डुमरांव शहर में एनएच का मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है। जिस कारण परिचालन बाधित होने के साथ ही आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है।
वही, उन्होंने डुमरांव बाइपास सड़क के निर्माण के संबंध में भी सवाल उठाया और कहा कि भू-अर्जन विभाग की लापरवाही से इस बाइपास सड़क का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है।
वही, डुमरांव विधायक ने कहा कि स्कूलों में सफाई की जिम्मेवारी निजी एजेंसियों को दी गई है, जबकि किसी भी सरकारी विद्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त नहीं है। बावजूद जिला शिक्षा पदाधिकारी बिना इसकी जांच कराए निजी एजेंसियों को भुगतान कर रहे है। उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की।

76वां गणतंत्र दिवस पर शान से लहराएगा तिरंगा

बक्सर। देश का 76वां गणतंत्र दिवस आज धूम धाम से मनाया जाएगा। पूर्व संध्या पर इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। झंडोतोलन के पूर्व संध्या पर पुलिस के जवानों, एनसीसी कैडेट्स तथा स्कूली छात्र-छात्राओं ने फूल डेज्स रिहर्सल किया। गणतंत्र दिवस को ले जिलेभर में उल्लास का माहौल है। शनिवार को पूरे दिन विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के अलावे अन्य शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी व निजी कार्यालयों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों आदि जगहों पर झंडोतोलन के मद्देनजर साफ-सफाई करवाई जा रही थी। वही झंडा की सफाई, पोल या बल्ला आदि की व्यवस्था में लोग पूरे दिन बाजार की दौड़ लगाते रहे। मुख्य समारोह किला मैदान में होगा, जहां जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल झंडोतोलन कर मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस मौके पर एसपी शुभम आर्य भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। पूर्व संध्या पर डीएम-एसपी ने जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी है।
वहीं, डुमरांव अनुमंडल का मुख्य आयोजन राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित होगा जहां एसडीएम राकेश कुमार झंडोतोलन करेंगे। उनके साथ डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी भी मार्च पास्ट की सलामी ले झांकियों का अवलोकन करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन की शुरूआत सुबह 8.40 बजे कारगिल चौक से की जाएगी। यहां डीएम अंशुल अग्रवाल झंडोतोलन कर अमर सेनानियों को नमन करेंगे। इसके बाद जिलाधिकारी सुबह नौ बजे किला मैदान में जबकि 10.10 बजे समाहरणालय में झंडा फहराएंगे।

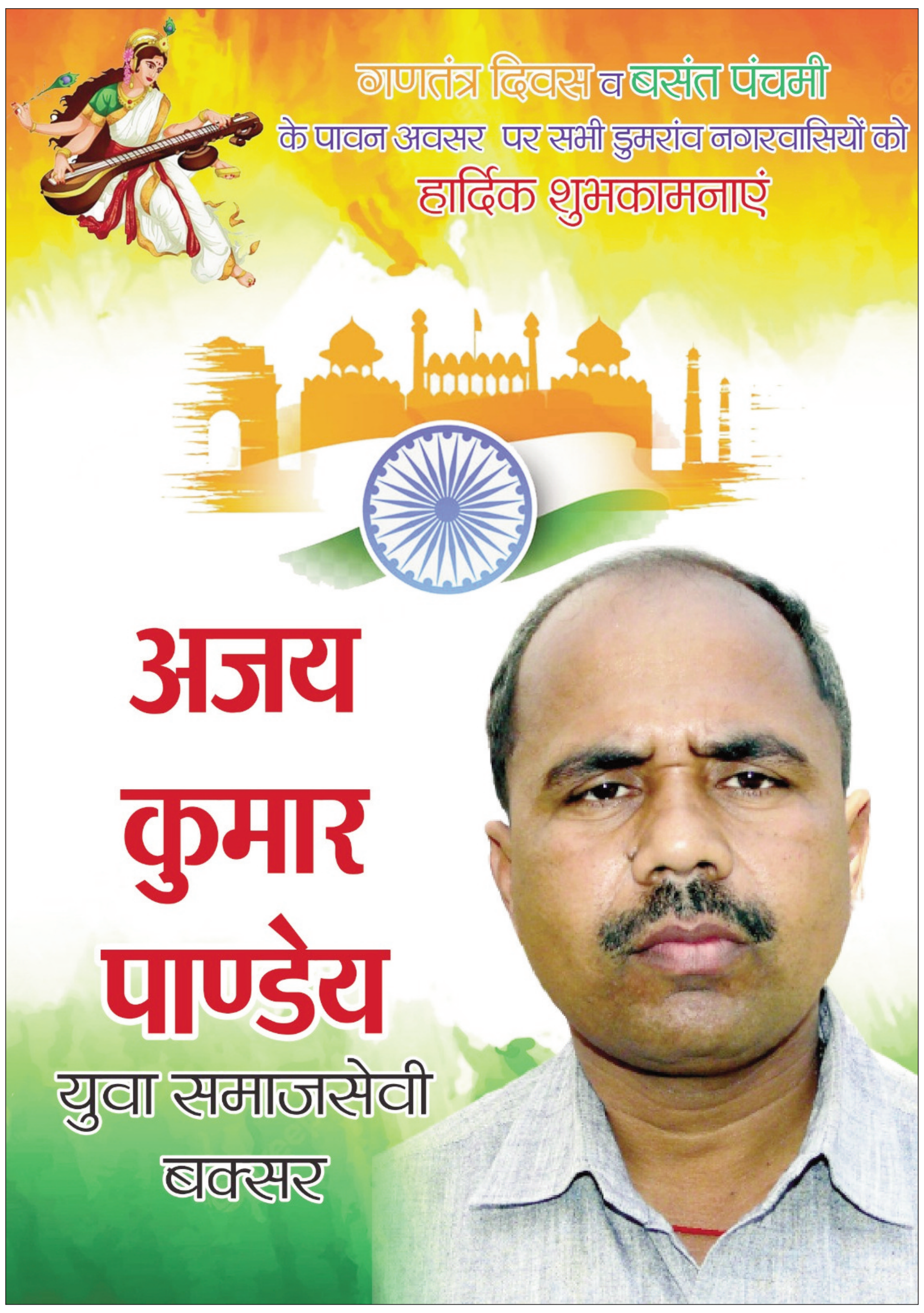

सिमरी प्रखंड के तिलक राय के हाता थाना क्षेत्र में पुलिस ने की छापेमारी

पशु तस्करी का भंडाफोड़, तीन वाहन पर लदे 13 मवेशी बरामद

- बड़का राजपुर सिमरी पथ पर पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार
- यूपी के रहने वाले हैं सभी पशु तस्कर

केटी न्यूज/सिमरी

तिलक राय के हाता थाना की पुलिस ने पशु तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए तीन मैजिक वाहन पर लदी कुल 13 गाय को बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। सभी पशुओं को यूपी से तस्करी कर लाया जा रहा था। गिरफ्तार तीनों वाहन चालक सह पशु तस्कर भी यूपी के ही रहने वाले हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से पशु तस्करों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार तिलक राय के हाता थाना की पुलिस सुबह में बड़का राजपुर सिमरी पथ स्थित सोनरा के बर के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी, इसी दौरान राजपुर की तरफ से तीन मैजिक वाहन आते दिखाई पड़े, जिस पर दूर से ही पशु लदे दिखाई पड़ रहे थे। पुलिस ने तीनों वाहनों को रोक जब पड़ताल की तो वाहन संख्या यूपी 60बीटी 6233 पर छह मवेशी, वाहन संख्या यूपी 60 बीटी 9828 पर चार तथा वाहन संख्या यूपी 60 बीटी 74 91 पर तीन मवेशी लदे थे। पुलिस ने तीनों के चालक को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान यूपी के बलिया जिले के दुबहड़ थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर मोहन छपरा गांव निवासी मुन्ना यादव पिता ठाकुर यादव व सतीश यादव उर्फ मंटू यादव पिता स्व. परमात्मा यादव तथा तीसरे की पहचान हल्दी थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी रिसु कुमार पांडेय पिता अरूण कुमार पांडेय के रूप में हुई।

थानाध्यक्ष लालबाबू सिंह ने बताया कि छापेमारी के दौरान तीन मैजिक वाहन पर लदे 13 मवेशी को बरामद किया गया है। तीनों वाहनों को जब्त करने के साथ ही तीनों के वाहन के चालक सह तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। तीनों यूपी के रहने वाले है तथा यूपी से ही पशुओं की तस्करी कर ला रहे थे। थानाध्यक्ष ने कहा कि तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है तथा आवश्यक पूछताछ के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।

तीनों पर केस दर्ज

पुलिस ने बताया कि तीनों वाहनों पर क्षमता से अधिक पशु लदे थे, यह पशु परिवहन नियम के खिलाफ है। वही, किसी भी वाहन में न तो पशु चारे की व्यवस्था थी और न ही पैड लगा था। इस संबंध में तिलक राय के हाता थाना के दरोगा विमल कुमार के बयान पर तीनों के खिलाफ पशु तस्करी समेत कई धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। बरामद पशुओं को आदर्श गौशाल बक्सर भेजा गया है।

बांझपन शिविर आयोजित कर 90 पशुओं का किया गया उपचार

केसठ। प्रखंड के किरनी गांव में पशुपालन विभाग द्वारा एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर का पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार गुप्ता और डॉ. सजीव कुमार ने फीता काटकर किया। पशुपालकों ने कहा कि सरकार का यह सराहनीय कदम है। इस शिविर से पशुपालकों में काफी सुविधा मिलेगी। वहीं शिविर में पहुंचे पशुपालकों ने पशुओं का उपचार कराने के साथ पशुओं के विकास से जुड़ी कई अहम जानकारियां ली। चिकित्सक ने पशुपालकों को कृत्रिम गभार्धान द्वारा पशुओं में व्याप्त बांझपन को दूर करने, प्रत्येक तीन महीने पर कीड़े मारने का दवा एवं प्रत्येक तीन महीने पर लीवर टॉनिक, कैल्शियम एवं मिक्सर मिनरल देने के साथ साफ सफाई आदि का विशेष ध्यान रखने की बात कही।

शिविर में लगभग 90 पशुओं का उपचार करने के साथ साथ 12 प्रकार के दवा पशुपालकों के बीच वितरित किया गया। साथ ही 40 पशुपालकों के बीच दवा का वितरण किया गया। शिविर में डॉ. रजत कुमार, बिट्ठु, ललन सिंह, सुरेंद्र सिंह, सिद्धेश्वर सिंह व अन्य पशुपालक उपस्थित रहे।

कैंटीन में रियायत दर पर मिलेंगे जरूरी सामान

कृष्णाब्रह्म। शनिवार को प्रखंड के कृष्णाब्रह्म में सेंट्रल पुलिस कैंटीन का सैनिक संघ के अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने उद्घाटन किया। वहीं कैंटीन मैनेजर अमित साह ने बताया कि सीपीसी का उद्देश्य पुलिसकर्मियों, सैन्य बलों और उनके परिवारों को रियायती दरों पर गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना है।

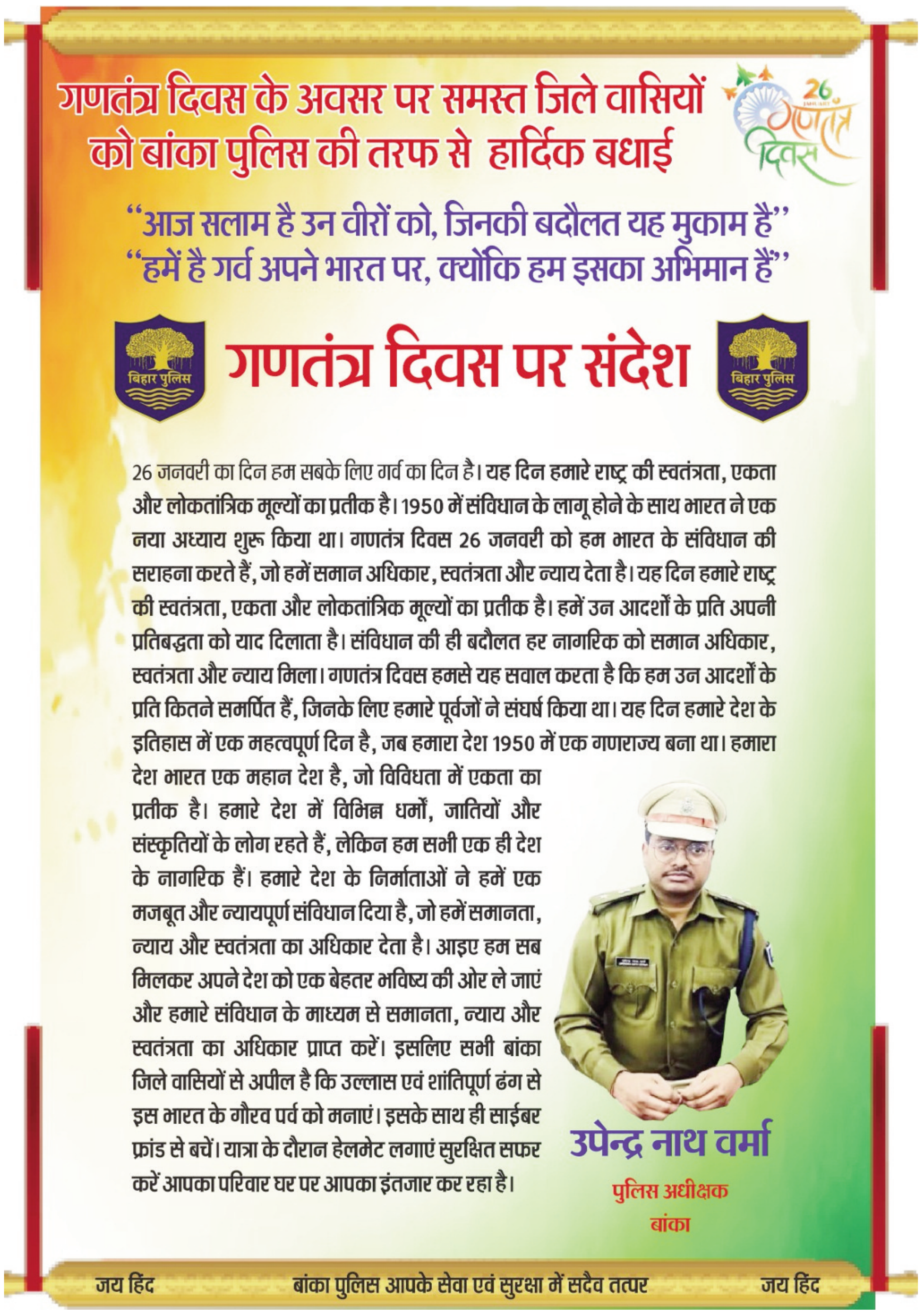

गणतंत्र दिवस के लिए जमकर हुई राष्ट्र ध्वज एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की खरीदारी

♦ डुमरांव में एक दुकान पर बिक्री के लिए रखा तिरंगा व अन्य सामान

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को देश का 76 वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया जाएगा। इस दिन सभी सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थानों, दफ्तरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों सहित निजी भवनों पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहरा देश के गणतंत्र होने की खुशी मनाई जाती है। खासकर स्कूल कॉलेजों व कोचिंग संस्थानों में झंडोतोलन के बाद देश भक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होता है।

इसको ले छात्र-छात्राओं व स्कूल प्रबंधनों द्वारा एक सप्ताह पहले से तैयारी की जा रही है। शनिवार को डुमरांव में राष्ट्रध्वज तिरंगा के साथ राष्ट्रीय प्रतीकों व तिरंगे वाले बेल्ट, बैज, टाई, पीन सहित अन्य सामानों की दुकानें खुली रही तथा वहा पूरे दिन ग्राहक उमड़े रहे। ऐसी दुकानों पर सबसे अधिक संख्या छात्र-छात्राओं की उमड़ रही है। दुकानदार भी गणतंत्र दिवस को ले पहले से तैयारी कर रखे है। कई आकार के तिरंगे झंडे के साथ ही तिरंगा वाली टोपी, बैज, रिबन, स्टीकर, बेल्ट, टाई आदि सामानों की बड़ी खेप मंगा रखे है। नगर के मेन रोड तथा राजगोला रोड में तिरंगा झंडा सहित अन्य सामान बेचने वाले एक दर्जन दुकानें सज गई हैं।

छोटे तिरंगे झंडे व तिरंगे वाली टोपी की हो रही अधिक बिक्री

पिछले एक सप्ताह से इन दुकानों पर ग्राहकों की भींड़ उमड़ रही है। शुक्रवार को छात्र-छात्राओं की अधिक भींड़ बाजार में देखी गई। शनिवार को भी छात्रों के खरीददारी करने की उम्मीद दुकानदार जता रहे है। दुकानदारों की मानें तो सबसे अधिक बिक्री छोटे तिरंगे झंडे व तिरंगे वाली टोपी की हो रही है। इसके अलावे स्टीकर के प्रति भी छात्रों में आकर्षण व्याप्त है। वही स्कूल व कोचिंग प्रबंधन के साथ ही विभिन्न कार्यालयों द्वारा बड़े झंडे खरीदे जा रहे है। ऐसे में छात्रों में देश भक्ति का जज्बा अपने चरम पर पहुंच गया है। तिरंगा झंडा से सजी दुकानों पर उमड़ी भींड़ इस बात की तस्दीक कर रही है कि अपने राष्ट्रीय त्योहार के प्रति नई पीढ़ी कितनी संजीदा है। राजगोला रोड में तिरंगा झंडा बेचने वाले अमर केशरी ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार झंडा, टोपी सहित अन्य सामानों की बिक्री अधिक हुई है।

डुमरांव में एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए समाज कल्याण मंत्री

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बह रही है विकास की गंगा: मंत्री

♦ जदयू कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

केटी न्यूज/डुमरांव

एक निजी कार्यक्रम मे डुमरांव आए बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन साहनी ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि 2025 में फिर से एनडीए की पूण्र बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य 2025 में 225 पार का है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में विकास की गंगा बह रही है। बेरोजगार युवाओं को 10 लाख नौकरी दी गई है। समाज के रह तबके के लोगों को ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि आगामी विस चुनाव में वर्ष 2010 की कहानी फिर दुहरायी जाएगी। नीतीश सरकार में इतना विकास का काम हुआ है कि फिल्ड में हम जाकर लोगों से वोट मांग सकते हैं। महिलाओं को उद्योग से जोड़ते हुए उन्हें अपने पैर पर खड़ा किया गया है। नीतीश सरकार में चहुंओर विकास की गंगा बही है। एनडीए के नेता या कार्यकर्ता लोगों से मिल उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं सरकारी अधिकारी भी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने में जुटे हुए हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम आयोजित, डीएम ने दिलाई शपथ

हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे: जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के अवसर पर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। भारत में प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई गई। हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को आक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया ईपीक : भारत निर्वाचक आयोग द्वारा 01 जनवरी के अलावा 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर को भी अर्हता तिथि घोषित है। वर्ष 2024-25 में इस जिला में कुल 107599 पीवीसी ईपिक कार्ड स्पीड पोस्ट के माध्यम से सभी संबंधित निर्वाचकों को उपलब्ध कराया गया है।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता बक्सर, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) बक्सर, उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, जिला पंचायत राज पदाधिकारी बक्सर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबधित उपस्थित थे।

कुल वोटरों की संख्या 1324674 है

अर्हता तिथि एक जनवरी, 2025 के आधार पर निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के दौरान दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को प्रारूप प्रकाशित निर्वाचक सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 1324674 है। जिसके तहत ब्रह्मपुर विस क्षेत्र में पुरूष मतदाता 185439, महिला मतदाता 166908 एवं अन्य 02 शामिल हैं। वहीं, सदर विस क्षेत्र में पुरूष मतदाता 157620, महिला मतदाता 142818 एवं अन्य 05 शामिल हैं। साथ ही, डुमरांव विस क्षेत्र में पुरूष मतदाता 173930, महिला मतदाता 157240 एवं अन्य 05 हैं। इसके अलावा राजपुर (अ0जा0) विस क्षेत्र में पुरूष मतदाता 177902 व महिला मतदाता 162805 हैं।

स्कूली बच्चों को दी गई मतदाता दिवस की जानकारी

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के दिशा निर्देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर फाउंडेशन स्कूल में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें निर्वाचन से संबंधित जानकारी बच्चों को दी गई। खासकर 18 साल के होने वाले हैं या कुछ सालों में नये मतदाता के रूप में होंगे, उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतू लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा में अपना मत का प्रयोग करने हेतु उत्सवर्धन किया गया। इस अवसर पर निर्वाचन से संबंधित क्विज प्रतियोगिता, भाषण, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें सभी श्रेणियों में एक-एक प्रतिभागियों को पुरस्कार से नवाजा गया।

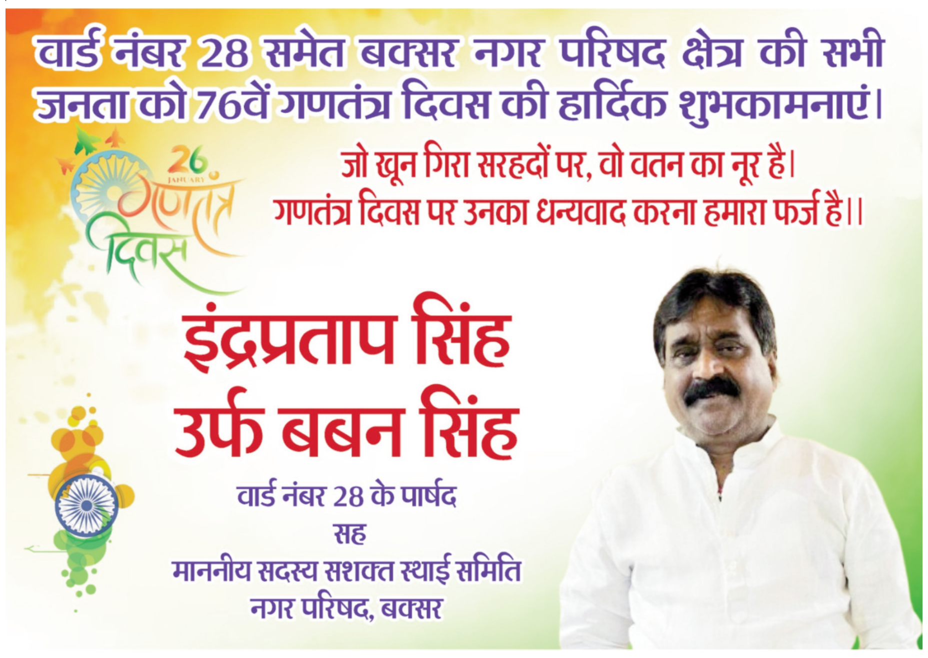

निर्भिक होकर मतदान की ली शपथ

केसठ। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा के उपस्थिति में सभी अधिकारियों व कर्मियों के बीच शपथ दिलाया गया। बीडीओ ने शपथ दिलाते हुए कहा कि हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मौके पर मनोज कुमार, प्रभात प्रकाश, लक्ष्मण कुमार, त्रिभुवन सिंह, असलम हुसैन, बीरबल कुमार, रवि, कमलेश, संजय बारी, प्रदीप कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

डीएसपी ने पुलिसकर्मियों को दिलाई निष्पक्ष चुनाव कराने की शपथ

डुमरांव। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर शनिवार को डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने पुलिसकर्मियों को निष्पक्ष चुनाव कराने की शपथ दिलाई। इस मौके पर उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने की अपील पुलिस कर्मियों से की। वही, पुलिस कर्मियों ने वचन दिया कि वे बिना किसी प्रलोभन, भय या दबाव के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेंगे और एक जिम्मेदार नागरिक होने का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

डीएसपी ने पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाने के साथ ही मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग स्वेच्छा से करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। सभी कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। डीएसपी ने सभी कर्मियों को निर्देश दिया कि वे जाति, धर्म, वर्ग, समुदाय, भाषा या किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने विशेष रूप से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर जोर दिया।

26-01-2025 Final_26-01-2025 Final.qxd 1/26/2025 12:33 AM Page 7

किशनगंज में शुरू हुआ एशिया का दूसरा सबसे बड़ा पशु मेला

केटी न्यूज /किशनगंज

एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और ऐतिहासिक खगड़ा पशु मेला किशनगंज जिले में धूमधाम के साथ शुरू हो चुका है। भूमि सुधार सह राजस्व मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल, जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस आयोजन के साथ क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल है। खगड़ा पशु मेले का इतिहास लगभग 140 साल पुराना है। इसकी शुरुआत ब्रिटिश शासन के दौरान 1883 में नवाब सैयद जैनुदीन हुसैन मिर्जा द्वारा किया गया था। आजादी के बाद, 1952 में यह मेला प्रशासन के अधीन आ गया। 2024 में इसे तत्कालीन जिलाधिकारी तुषार सिंगला द्वारा राजकीय मेला घोषित किया गया, जो मेले के महत्व और परंपरा को और भी सुदृढ़ करता है।

1.33 करोड़ के खर्च में हुआ बंदोबस्तः इस वर्ष खगड़ा मेले का डाक 1.33 करोड़ रुपये में हुआ है। मेला आयोजकों और प्रशासन ने इसे अधिक आकर्षक और भव्य बनाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। इस बार मेले में झूले, सर्कस, थियेटर, खान-पान स्टॉल, खिलौने और अन्य मनोरंजक गतिविधियों की भरमार है। वहीं, मेले में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है। पुलिस प्रशासन के सहयोग से पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मंत्री ने अपने संबोधन में खगड़ा मेले की ऐतिहासिकता और सामाजिक महत्व पर जोर दिया। भाजपा के जिला अध्यक्ष सुशांत गोप ने कहा कि यह मेला किशनगंज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में पारंपरिक मेले के अस्तित्व को बचाए रखना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इस बार मेला बेहद भव्य रूप से आयोजित किया गया है, जिससे इसकी पहचान और भी मजबूत होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देता है बढ़ावाः खगड़ा मेला न केवल मनोरंजन और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहित करता है। हजारों व्यापारी, किसान और पशुपालक यहां आते हैं। पशुओं की खरीद-बिक्री के साथ, विभिन्न स्टॉल और व्यापारिक गतिविधियां यहां के लोगों के लिए आय का एक बड़ा स्त्रोत बनती हैं।

बिहार पुलिस के नौ अधिकारियों को विशिष्ट एवं राष्ट्रपति पदक सम्मान

- सराहनीय सेवा के लिए दो एसपी को भी दिया जा रहा है पदक
- देशभर के विशिष्ट सेवा के लिए 101 पुलिस कर्मियों को दिया जाएगा राष्ट्रपति पदक

केटी न्यूज /पटना

गणतंत्र दिवस के मौके पर बिहार पुलिस के नौ अधिकारियों और पदाधिकारियों को विशिष्ट और सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) दिया जायेगा। शनिवार सुबह इसकी जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति पदक पाने वालों में अपर पुलिस महानिदेशक कस्सी सुहिता अनुपम और उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार शामिल हैं। इन्हें विशिष्ट सेवा के लिए पदक दिया जा रहा है। वहीं सराहनीय सेवा के लिए दो एसपी को भी पदक दिया जा रहा है। इनमें आईपीएस संजय कुमार और मनोज कुमार शामिल हैं। हीं कमांडेंट हरि मोहन शुक्ला, उपनिरीक्षक संजीत कुमार, सहायक उपनिरीक्षक अतिमेश कुमार उपाध्याय, सब इंस्पेक्टर शशिकांत और सब इंस्पेक्टर जय प्रकाश सराहनीय सेवा के लिए पद दिया जाएगा।

बता दें कि यह पदक वीरता के लिए पदक (जीएम) क्रमशः जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने, दायित्वों और कर्तव्यों के संबंध में होने वाले जोखिम का आकलन करने में दुर्लभ विशिष्ट वीरता कार्य और विशिष्ट वीरता कार्य के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) सेवा में विशेष प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाता है और सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। बता दें कि इस बार गणतंत्र दिवस पर देशभर के विशिष्ट सेवा के लिए 101 राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) में से 85 पुलिस सेवा को, 05 अग्निशमन सेवा को, 07 नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा को और 04 सुधार सेवा के लिए पदक प्रदान किए गए हैं। वहीं सराहनीय सेवा (एमएसएम) के लिए 746 पदकों में से 634 पुलिस सेवा को, 37 अग्निशमन सेवा को, 39 नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा को और 36 सुधार सेवा को प्रदान किए गए है।

मुजफ्फरपुर में कचरे से भरे ट्रक से शराब की बड़ी खेप बरामद

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मोतीपुर थाना पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। एनएच-27 पर नरियार गांव के पास एक ढाबे के सामने खड़े ट्रक से 265 कार्टन अवैध शराब बरामद हुई। यह शराब कचरे के नीचे छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और खलासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। मामले का मुख्य सरगना मौके से फरार हो गया। दरअसल, मोतीपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नरियार के पास एनएच-27 पर एक ढाबे के सामने शराब से भरा ट्रक खड़ा है। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा।

भ्रष्टाचार के आरोपी बेतिया डीईओ पत्नी के साथ करते थे धार्मिक प्रवचन

- पत्नी के घर से 3.56 करोड़ रुपये की नकदी, 27 किलो चांदी और 1.3 किलो सोने के आभूषण बरामद

केटी न्यूज /बेतिया

भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामले में बेतिया में जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के खिलाफ एसवीयू की कार्रवाई चल रही है। इसी बीच मामले में नया खुलासा हुआ है कि वह पत्नी के साथ धार्मिक प्रवचन करते थे। डीईओ रजनीकांत प्रवीण के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला चल रहा है। इसमें स्पेशल विजिलेंस यूनिट की कार्रवाई ने एक बड़ा खुलासा किया है। छापामारी के दौरान, डीईओ के आवास से 64.40 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई, जबकि उनकी पत्नी के घर से 3.56 करोड़ रुपये की नकदी, 27 किलो चांदी और 1.3 किलो सोने के आभूषण मिले। इसके अलावा, कई बैंकों में उनके और उनकी पत्नी के नाम पर 10 लॉकर, बैंक खाता और फिक्स्ड डिपॉजिट भी मिले हैं।

ऐसे हुआ गुप्त संपत्ति का खुलासा : जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को शुरू हुई छापामारी शनिवार को खत्म हुई, जिसमें 3.52 करोड़ रुपये की नकदी और कई दस्तावेज बरामद किए गए। बेतिया, दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर में उनकी संपत्तियों पर ये कार्रवाई की गई। बेतिया में उनके आवास पर नोटों की गिनती करने वाली दो मशीनों की मदद से भारी मात्रा में नकद राशि की गिनती की गई। इसके अलावा, दरभंगा से 50 लाख रुपये के भूखंड के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि डीईओ रजनीकांत प्रवीण की पत्नी सुषमा ही उनके द्वारा अर्जित अवैध संपत्ति को संभालती थीं और कई बैंक खातों, फिक्स्ड डिपॉजिट और लॉकर के माध्यम से संपत्ति को छिपाती थीं।

धार्मिक प्रवचन का नया रूप : इस कार्रवाई के बाद डीईओ रजनीकांत प्रवीण का एक नया रूप भी सामने आया है। जांच में यह सामने आया कि रजनीकांत प्रवीण और उनकी पत्नी धार्मिक प्रवचन करते थे।

दरअसल, एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रवचन दे रहे हैं। इस वीडियो ने पूरे जिले में हलचल मचा दी है और शिक्षकों तथा अन्य स्थानीय लोगों में चर्चा का बाजार गर्म है। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं और इस मामले में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

स्थानीय लोगों में भय का माहौल : जिला शिक्षा पदाधिकारी के खिलाफ हुए इस बड़े कदम से उनके आसपास रहने वाले लोग भयभीत हैं। यह मामला अब एक गंभीर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन गया है। स्थानीय लोग इस कार्रवाई से सकते में हैं और यह सवाल उठा रहे हैं कि कैसे एक व्यक्ति जो धार्मिक प्रवचन देने का दावा करता है, वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो सकता है। विजिलेंस टीम मामले में कार्रवाई को लेकर पूरी तरह से जांच में जुटी है। आगे इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। इस घटना ने न केवल बेतिया बल्कि पूरे बिहार में भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था को लेकर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि मामला अभी जांच में है।

भाजपा विधायक की गाड़ी व बाइक की भीषण टक्कर, नेता समेत चार जख्मी

केटी न्यूज /मधुबनी

जिला स्थित खजौली के भाजपा विधायक अरुण शंकर प्रसाद की इनोवा गाड़ी एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में तीन बाइक सवार और खुद विधायक भी घायल हो गए। घटना दुल्लीपट्टी के पास एसएसबी कैंप के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, विधायक अरुण शंकर प्रसाद अपने अंगरक्षक और पीए के साथ जयनगर से कलुआही एक कार्यक्रम में जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक कुत्ता आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। बाइक पर सवार तीन लोगों में दो व्यक्ति और एक लड़का शामिल थे। जो जयनगर की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और उनकी बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के तुरंत बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने विधायक और वाहन में सवार अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को विधायक ने अपनी गाड़ी से जयनगर अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। जयनगर अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. रोनित ने बताया कि तीनों बाइक सवारों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। इनमें से दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रेफर किया जाएगा। विधायक को मामूली चोटें आई हैं और उनका भी इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

पटना में हॉस्टल में लगी अचानक भीषण आग, मची अफरा-तफरी

केटी न्यूज /पटना

पटना के एक बॉयज हॉस्टल में अचानक भीषण आग लग गई। इस दौरान हॉस्टल में 50 विद्यार्थियों फंस गए थे, जिन्हें फायर ब्रिगेड की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया। फिलहाल बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित किदवई पुरी के श्रीकृष्णा नगर में मौजूद पॉल्स बॉयज होस्टल एंड पीजी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के समय होस्टल में करीब 50 विद्यार्थी मौजूद थे। हालांकि, समय पर की गई कार्रवाई की बदौलत किसी तरह जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक, होस्टल में एक छात्र पानी गर्म कर रहा था। उसी दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और होस्टल के विभिन्न हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही होस्टल में मौजूद छात्रों में भगदड़ मच गई। सभी छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, होस्टल प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक मशीन का भी इस्तेमाल किया गया। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस भीषण हादसे में गनीमत रही कि कोई भी छात्र घायल नहीं हुआ।

सिपाही भर्ती परीक्षाः बायोमीट्रिक अटेंडेंस नहीं हुआ मैच, 16 फर्जी कैंडिडेट गिरफ्तार

- एक से लेकर 5 लाख रुपये तक की हुई थी डील
- बुलाया गया था 9600 अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए

केटी न्यूज /पटना

पटना में सिपाही बहाली के लिए चल रहे फिजिकल टेस्ट का 7वां चरण समाप्त हो गया है। इस दौरान पुलिस ने 16 फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है, जिनका बायोमैट्रिक अटेंडेंस मैच नहीं हुआ था। पटना में सिपाही बहाली के लिए चल रहे फिजिकल टेस्ट का 7वां चरण समाप्त हो गया है। इस दौरान पुलिस ने 16 फर्जी अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है, जिनका बायोमैट्रिक अटेंडेंस मैच नहीं हुआ था। ये अभ्यर्थी रिटेन एग्जाम में स्कॉलर बैठाकर परीक्षा देने के आरोपी हैं। इसके लिए उन्होंने एक से लेकर 5 लाख रुपये तक की डील की थी। इस सप्ताह में कुल 9600 अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था। लेकिन, केवल 7771 अभ्यर्थी ही पहुंचे थे। यह परीक्षा बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल के 21,391 रिक्त पदों को भरने के लिए आयोजित की जा रही है। केंद्रीय चयन पर्षद (सीएसबीसी) की ओर से आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के रिटेन टेस्ट में 1 लाख 7 हजार 79 अभ्यर्थी सफल हुए थे। लगभग 18 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया था। यह परीक्षा 7, 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त 2024 को आयोजित की गई थी. इस भर्ती परीक्षा में 17 लाख 87 हजार 720 अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया था, जिनमें से 12 लाख के करीब अभ्यर्थी शामिल हुए थे। यह परीक्षा पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल) गर्दनीबाग में चल रहा है।

सीएम नीतीश नहीं जानते अपने मंत्रियों का नाम व विभाग : पीके

पटना। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुके हैं। प्रशांत किशोर ने शनिवार को चुनौती देते हुए कहा, यदि मुख्यमंत्री बिना किसी कागज के अपने मंत्रियों के नाम और उनके विभाग बता दें, तो वह अपना पूरा अभियान वापस ले लेंगे। नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति अब ऐसी नहीं है कि वह बिहार का नेतृत्व कर सकें। उनकी स्थिति उन्हें प्रभावी तरीके से निर्णय लेने और सरकार चलाने में सक्षम नहीं बनाती।' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों और उनके विभागों के नाम याद तक नहीं रख सकते। जनसुराज के सूत्रधार ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर कहा कि अपराधियों और सत्ता में बैठे लोगों के रिश्ते जगजाहिर हैं। उन्होंने कहा कि जब बालू माफिया, शराब माफिया और अफसरशाही का बोलबाला हो, तो सुचारू कानून-व्यवस्था की उम्मीद करना व्यर्थ है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

झारखंड

बक्सर, 26 जनवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चैंबर का संवाद-2 कार्यक्रम जल्द

रांची, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा संवाद कार्यक्रम के नये संस्करण के आयोजन की पहल शुरू की गई है। कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा व शैलेष अग्रवाल ने झामुमो के केंद्रीय महासचिव बिनोद पाण्डेय से मुलाकात कर, कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। इस दौरान राज्य की समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की। सकारात्मक रूप से संपन्न हुई वार्ता में झामुमो के केंद्रीय महासचिव बिनोद पाण्डेय ने चैंबर द्वारा आहूत संवाद–2 कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी।कार्यक्रम संयोजक अमित शर्मा व शैलेष अग्रवाल ने कहा कि जल्द ही संवाद–2 कार्यक्रम की तिथि तय की जायेगी। राज्य में नई सरकार के गठन के उपरांत सरकार की भावी योजनाओं पर सकारात्मक चर्चा के साथ ही राज्य के विकासात्मक मुद्दों पर सरकार और स्टेकहोल्डर्स का संयुक्त प्रयास शुरू करने की दिशा में हमारा यह प्रयास सफल साबित होगा।

डीसी-एसपी ने अंतिम रिहर्सल परेड का किया निरीक्षण

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी लगभग पूरी हो गई है. मुख्य समारोह 26 जनवरी को सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में होगा. पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास शुक्रवार को हुआ. डीसी विजया जाधव व एसपी मनोज स्वर्गियारी ने अंतिम रिहर्सल परेड का निरीक्षण किया. परेड के निरीक्षण के बाद डीसी ने तिरंगे को सलामी दी. इस दौरान दोनों पदाधिकारियों ने मुख्य समारोह को बेहतर बनाने के लिए जरूरी दिशा–निर्देश दिए. अंतिम रिहर्सल परेड में सीआरपीएफ 26वीं बटालियन, सीआईएसएफ, जैप, जिला सशस्त्र बल पुरुष–महिला, गृह रक्षा वाहिनी, एनसीसी समेत कुल 12 प्लाटून ने भाग लिया. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कसमार व जरीडीह की छात्राओं ने बैंड डिसप्ले व जिला पुलिस ने डॉग शो का प्रदर्शन किया. मौके पर डीडीसी गिरजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, चास एसडीओ प्रांजल ढांडा, डीटीओ वंदना शेजवलकर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

शहर के प्रमुख चौराहों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे: एसएसपी

धनबाद , एजेंसी। शहर के प्रमुख चौराहों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे : एसएसपी एचपी जनार्दनन ने गुरुवार को अपने कार्यालय सभागार में मासिक क्राइम मीटिंग की। उन्होंने थानेदारों को जिले में बढ़ रही लूटपाट व चेन स्नेचिंग की घटनाओं के साथ–साथ चोरी डकैती पर लगाम लगाने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही शराब दुकानों के आसपास लगने वाले जमावड़े व शराबखोरी पर सख्ती बरतने की हिदायत दी। कहा कि क्राइम को कंट्रोल करने के लिए शहर के प्रमुख चौक–चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की कवायद तेज कर दी गई है। अपराधी अपराध करने के बाद अब नहीं बच पाएंगे।एसएसपी ने किहा कि सुरक्षा के मद्देनज़र सभी बैंक, एटीएम, मॉल, ज्वेलरी दुकान, पेट्रोल पंप, होटल, रेस्टोरेंट, शराब दुकानों, अपार्टमेंट, मल्टी स्टोरी फ्लैट, हाउसिंग सोसायटी, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बस–ऑटो स्टैंड, पार्किंग स्थल, हॉस्पिटल,मॉल, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग समेत सभी शिक्षण संस्थान,बाजार व सिनेमा घरों में कैमरे लगाना अनिवार्य है। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि इन सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने की दिशा में गंभीरता से कार्य करें। इसके साथ ही कोर्ट से जारी वारंट व कुर्की के आदेश को यथाशीघ्र तामिल करने का निर्देश सभी थाना प्रभारी को दिया। बेहतर पुलिसिंग करने वाले पेट्रोलिंग टीम व थानेदारों को बैठक में पुरस्कृत किया गया।

बीएसएल के ब्लास्ट फर्नेस में हुआ रिकॉर्ड हॉट मेटल का उत्पादन

बोकारो, एजेंसी। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में 22 जनवरी को चार फर्नेस के परिचालन से अब तक का सर्वश्रेठ 16821 टन हॉट मेटल का उत्पादन हुआ. यह एक दिन में हॉट मेटल के उत्पादन का नया रिकॉर्ड बना है. उल्लेखनीय है कि पिछला सर्वश्रेष्ठ दैनिक हॉट मेटल उत्पादन का रिकॉर्ड 18 फ़रवरी 2024 को 16354 टन था. इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस संख्या 1 से भी 20 जनवरी को अब तक का सर्वश्रेठ दैनिक 4436 टन हॉट मेटल का उत्पादन हुआ. ब्लास्ट फर्नेस संख्या 1 से पिछला सर्वश्रेष्ठ 4272 टन का दैनिक हॉट मेटल उत्पादन 18 फ़रवरी 2024 को हुआ था.निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी व अधिशासी निदेशक (संकार्य) सीआर महापात्रा के साथ बोकारो स्टील के शीर्ष प्रबंधन ने मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) शौविक रॉय व उनकी पूरी टीम तथा सभी सहयोगी विभागों व संविदा कर्मियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है.

धुर्वा में स्कूल वैन को पुलिस का बोर्ड लगी स्कार्पियो ने मारी टक्कर, चालक घायल

रांची, एजेंसी। धुर्वा थाना क्षेत्र के शालीमार मार्केट के पास शुक्रवार की सुबह स्कूल वैन और स्कॉर्पियो के बीच जोरदार टक्कर हुई। इस घटना में स्कूल वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी। स्कूल वैन का चालक बुरी तरह से घायल हो गया, हालांकि बच्चे सुरक्षित रहे। जिस तरह से यह टक्कर हुई है, गनीमत रही कि इस घटना में बच्चे बाल बाल बच गये।मौके पर मौजूद प्रत्याशियों के मुताबिक पुलिस लिखी स्कॉर्पियो के चालक और स्कूल वैन के चालक में किसी बात को लेकर बहस हुई। उसके बाद वैन चालक बच्चों को लेकर आगे बढ़ गया, फिर पुलिस की स्कॉर्पियो ने पीछा करके स्कूल वैन में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। वहीं पुलिस वहां पहुंचकर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर आगे की जांच में जुटी हुई है।

जीएसटी विभाग की छापेमारी से हड़कंप, एक साथ 8 जगहों पर एक्शन

जमशेदपुर, एजेंसी। नगरी जमशेदपुर और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को माल व सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने मेगा छापामारी कर 150 करोड़ रुपये के बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। आठ अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर एक साथ हुई इस कार्रवाई ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया।

इसमें फर्जी बिलिंग के जरिए सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ, जिसका मुख्य सूत्रधार विकास जैसुका, उसका भाई राजेश जैसुका और सहयोगी गोलू फिलहाल फरार हैं।जीएसटी विभाग की टीम इनकी तलाश में जुट गई है। जांच अभी जारी है और आशंका है कि कर चोरी की रकम 30 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

जीएसटी विभाग के संयुक्त निदेशक सार्थक सक्सेना के निर्देश पर जीएसटी इंटेलिजेंस विभाग के रौशन मिश्रा के नेतृत्व में 50 सदस्यीय दल ने यह कार्रवाई अंजाम दी। टीम में राजीव रंजन, विराज पांडे समेत रांची और जमशेदपुर के कई अधिकारी शामिल थे। सुरक्षा के मद्देनजर

सीआरपीएफ के जवानों को भी तैनात किया गया था।प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि फर्जी कंपनियों के नेटवर्क के जरिए 150 करोड़ रुपये के जीएसटी बिलों का फर्जीवाड़ा किया गया।हैरान करने वाली बात यह है कि इस फर्जीवाड़े से जुड़ा पैसा ओडिशा की खदानों में निवेश किया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि रिवाह रिसॉर्ट में 150 करोड़ रुपये का काला धन लगाया गया है।छापेमारी के दौरान तीन कंप्यूटर, चार लैपटॉप और छह मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिनमें फर्जीवाड़े से जुड़े अहम डिजिटल सबूत होने की संभावना है। जांच से पता चला है कि यह धांधली पिछले तीन सालों से बेरोकटोक चल रही थी।

गौरतलब है कि इसी टीम ने पहले ज्ञानचंद जयसवाल, अमित गुप्ता और शिव देवड़ा जैसे व्यवसायियों के ठिकानों पर भी छापेमारी कर उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाया था।इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड जुगसलाई निवासी विकास जैसुका बताया जा रहा है, जबकि उसका भाई राजेश जैसुका और सहयोगी गोलू भी इस घोटाले में शामिल हैं। गोलू फर्जी कंपनियों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर जीएसटी की चोरी करता था, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान हुआ।तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं और जीएसटी विभाग की टीमें उनकी गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। टीम ने जांच के दौरान कंपनियों से अब तक पांच करोड़ रुपये का कर वसूल किया है। जांच के बाद ही सही आकलन हो सकेगा कि कुल कितने करोड़ की गड़बड़ी की गई है।

छापेमारी के लिए टीम ऑटो रिक्शे में सवार होकर पहुंची ताकि किसी को भनक न लगे। यहां तक कि स्थानीय पुलिस को भी छापेमारी की जानकारी नहीं दी गई।यह पूरा मामला ओडिशा में माइनिंग कारोबार, करोड़ों के संदिग्ध लेनदेन और फर्जी जीएसटी बिल से जुड़ा बताया जा रहा है। राजेश जैसुका का स्थानीय व्यापारिक संगठनों से जुड़ाव भी जांच के दायरे में है।जांच में गोलू नामक एक युवक की भूमिका भी उजागर हुई है। आरोप है कि गोलू पिछले तीन सालों से विकास और राजेश जैसुका के इशारे पर फर्जी कंपनियों के नाम पर जीएसटी बिल तैयार करके करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा कर रहा था।

राजधानी इवेंट्स एंड वेडिंग प्लानर प्रतिष्ठान का शुभारंभ

मेट्रो शहरों की तर्ज पर अब रांची में भी शादी-ब्याह सारी व्यवस्थाएं एक ही जगह होंगी उपलब्ध

रांची, एजेंसी। शादी-ब्याह की तैयारी करना कोई आसान काम नहीं है. इसके लिए प्लानिंग करना, बजट बनाना, मेहमानों को बुलाना और खान-पान, टेंट, साज-सज्जा समेत अन्य प्रबंध करने में आयोजक को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. ऐसे में वेडिंग प्लानर की सेवाएं इन समस्याओं के समाधान की दिशा में काफी सहयोगी होती है. इसे लेकर कडरू में राजधानी इवेंट्स एंड वेडिंग प्लानर का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया.

इसका उद्घाटन समाजसेवी मो सईद व अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से किया. राजधानी इवेंट्स एंड वेडिंग प्लानर के संचालक मो आरिफ ने बताया कि शादी-ब्याह के लिए मेहंदी की रस्म से लेकर सभी प्रकार के आयोजन व हनीमून ट्रिप तक की व्यवस्था वेडिंग प्लानर के तहत उपलब्ध होगी. बड़े व मेट्रो शहरों की तर्ज पर अब रांची में भी शादी-ब्याह के सभी इंतजाम व प्रबंध एक ही छत के नीचे कराई गई है. उद्घाटन के अवसर पर हाजी अब्दुल रशीद, नूर हसन, नेहाल हसन, अकिलुर्रहमान, मो तौफीक आदि मौजूद थे.

लंबित वादों के निस्तारण का सुलभ माध्यम है लोक अदालत: कविता

रांची, एजेंसी। झालसा के निर्देश पर न्यायुक्त के निर्देश पर सिल्ली प्रखंड के बंसरूली पंचायत भवन में शुक्रवार को 90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया. एलएडीसी अधिवक्ता कविता कुमारी खाती ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या आदि विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के उपाय के बारे में बताया. ग्रामीणों को डालसा की ओर से निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने पीड़ित मुआवजा के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कहा कि डायन बिसाही के मामले में एक दूसरे की हत्या करना गलत है. कौशल्या देवी, शंकर महतो एवं ब्रजेश कुमार महतो ने गरीब तबके के लोगों को वृद्धा पेंशन और मजदूर निबंधन कार्ड एवं उससे होनेवाले लाभ के बारे में जानकारी दी. इसके अलावा पीएलवी ने लोगों की समस्या को सुना तथा पीड़ित मुआवजा के बारे जानकारी दी.8 मार्च को होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में डालसा के पीएलवी के द्वारा जानकारी दी गयी. कौशल्या देवी ने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं.

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है.

नगर निगम ने 31 संवेदकों को तीसरी बार भेजा नोटिस, एग्रीमेंट कराने की दी चेतावनी

धनबाद, एजेंसी। नगर निगम ने बुधवार को 31 संवेदकों को एग्रीमेंट कराने के लिए नोटिस दिया है। निगम का यह तीसरा नोटिस है। दूसरे नोटिस में 40 में मात्र 09 संवेदकों ने एग्रीमेंट कराया था। तीसरे नोटिस में चेतावनी देते हुए कहा गया है कि एग्रीमेंट नहीं कराने पर द्वितीय योग्य संवेदक को काम आवंटित कर दिया जायेगा। नगर निगम अभियंता के मुताबिक डीएमसी/03/2024-25, डीएमसी/06/2024-25, डीएमसी/07/2024-25, डीएमसी/09/2024-25 में कार्य आवंटित हुआ है। संवेदकों को एकरारनामा के लिए तीसरा नोटिस दिया गया है। इसमें कहा गया है कि पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर एकरारनामा संबंधित कागजात एवं अग्रधन राशि के रूप में पांच प्रतिशत का डिमांड ड्राफ्ट नगर निगम में जमा करें अन्यथा द्वितीय योग्य संवेदक को काम आवंटित कर दिया जायेगा।इधर, संवेदकों का कहना है कि उपरोक्त सभी ग्रुपों का टेंडर चुनाव आचार संहिता से पहले निकला था। निविदा समिति में पांच सदस्य हैं। नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता व कार्यपालक अभियंता ने निविदा पर हस्ताक्षर किये थे लेकिन लेखा पदाधिकारी ने उस पर हस्ताक्षर नहीं किया था। बावजूद उपरोक्त ग्रुप का टेंडर निकाला गया। अगर एग्रीमेंट करते हैं, तो काम पूरा होने के बाद बिल पेमेंट में दिक्कत आ सकती है। हमलोगों के लिए यह बड़ी समस्या है।इधर, नगर निगम के अभियंता सेल का कहना है कि नोटिस संवेदक के वाट्सएप नंबर पर डाला जायेगा।

बोकारो जिले के हर गांव से 500 नए सदस्य बनाएगा झामुमो

बोकारो, एजेंसी। झामुमो बोकारो जिला संयोजक मंडली की बैठक शुक्रवार को बोकारो के सेकटर 1 स्थित अतिथि गृह में हुई. संयोजक प्रमुख डॉ रतनलाल माझी ने अध्यक्षता की. बैठक में संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान और 4 फरवरी को धनबाद में होने वाले पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गई.

डॉ रतनलाल माझी ने कहा कि झामुमो ने हर गांव से कम से कम 500 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है. स्थापना दिवस समारोह में प्रत्येक पंचायत से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. प्रत्येक प्रखंड से कम से कम 50 वाहनों से कार्यकर्ता धनबाद पहुंचेंगे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सामूहिक प्रयास और व्यक्तिगत साधनों के माध्यम से धनबाद कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें.

संयोजक मंडली के सदस्यों ने सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक व्यक्ति को यह बताना आवश्यक है कि झारखंड और झारखंडवासियों के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन क्या-क्या कर रहे हैं. संयोजक मंडली ने धनबाद में होने वाले भव्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोकारो जिले की मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सभी सदस्यों को सक्रियता से काम करने का निर्देश दिया. बैठक में केंद्रीय संतोष रजवार, जिला संयोजक मंडली के सदस्य हीरालाल मांझी, जय नारायण महतो, मंटू यादव, बीके चौधरी, मो. हसन, मोहन मुर्मू, विजय रजवार, मदन मोहन महतो, मुक्तेश्वर महतो, पान बाबू केवट, दीपक महतो, प्रमोद तापड़िया आदि उपस्थित थे.

सरकार के लिए सलाहकार का काम करती हैं विधानसभा की समितियां : विधानसभा अध्यक्ष

रांची, एजेंसी। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को विधानसभा की समितियों के सभापतियों के साथ बैठक कर विचार विमर्श किया. फरवरी में विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है. सत्र से पहले विधानसभा की 25 समितियों का गठन किया गया है. बैठक में महिला, बाल विकास समिति की सभापती कल्पना मुर्मू सोरेन, लोकलेखा समिति के सभापति मनोज यादव, प्राक्कलन समिति के सभापति हेमलाल मुर्मू, आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति रामेश्वर उरांव, निवेदन समिति के सभापति उमाकांत रजक, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सभापति स्टीफन मरांडी, पुस्तकालय विकास समिति की सभापति डा. नीरा यादव, अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के सुरेश पासवान भी मौजूद रहे.

स्पीकर रवीन्द्रनाथ महतो ने विधानसभा समितियों के कार्य और भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. कहा कि इन समितियों की सहभागिता सरकार के सलाहकार के रूप में होती है और कई मौकों पर सरकार इनकी अनुशंसा को मानती रही है .

विधानसभा समितियां की भूमिका : इन समितियों की भूमिका संसदीय कार्यों के अलावा प्रशासनिक क्षेत्र में भी अहम होती है. विधानसभा अध्यक्ष ने समितियों के सदस्यों को भी उनके दायित्व के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील की.

समितियों के गठन और कार्यभार : झारखंड विधानसभा द्वारा पिछले दिनों 25 समितियां गठित की गई हैं. इन समितियों के अध्यक्ष और सभापतियों ने 24 जनवरी 2025 से कार्यभार संभाल लिया है. विधायक कल्पना सोरेन को विधानसभा की महिला बाल विकास समिति का सभापति बनाया गया है.

मंईयां सम्मान योजना में नया अपडेट, इस डॉक्यूमेंट के बिना नहीं मिलेंगे 2500 रुपये

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए आधार अनिवार्य कर दिया गया है।इस योजना का लाभ लेनेवाली सभी लाभुकों को न केवल आधार उपलब्ध कराना होगा, बल्कि उन्हें आधार प्रमाणीकरण से भी गुजरना होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

इसके तहत जिस महिला के पास आधार संख्या नहीं है, उसे पंजीकरण करने से पहले आधार नामांकन के लिए आवेदन करना होगा।

यह भी व्यवस्था की गई है कि जबतक व्यक्ति को आधार सौंपा नहीं जाता है, तबतक 10 निर्धारित पहचान पत्रों में से किसी को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा।

यह भी प्रविधान किया गया है कि ऐसे सभी मामलों में जहां लाभार्थियों के खराब बायोमेट्रिक्स या किसी अन्य कारण से आधार प्रमाणीकरण विफल हो जाता है, वहां अन्य उपाय किए जाएंगे।

जैसे, खराब फिंगरप्रिंट गुणवत्ता के मामले में प्रमाणीकरण के लिए आइरिस स्कैन या चेहरे की प्रमाणीकरण सुविधा अपनाई जाएगी।

इधर, इस योजना के तहत जनवरी माह का किस्त 28 या 29 जनवरी को महिलाओं के खाते

में हस्तांतरित हो सकता है। जिलों में लाभुकों के सत्यापन तथा डाटा अपडेट करने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

मंईयां सम्मान योजना में त्रुटियों को दूर करने को लेकर झारखंड राज्य निर्माण कामगार यूनियन (सीटू) के बैनर तले शुक्रवार को सदर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया गया। साथ ही चिल्ड्रेन पार्क से जुलूस भी निकाला गया। इसमें मंईयां योजना के आवेदन में त्रुटि सुधार करो, पोर्टल चालू कर नया आवेदन स्वीकार करो, लंबित सर्वजन पेंशन को स्वीकृत करो आदि नारे लगाए गए।

प्रदर्शन व सभा की अध्यक्षता सीटू व निर्माण कामगार यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने की। वहीं, सभा को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के कारण महिलाओं ने हेमंत सरकार के पक्ष में वोट दिया। इसके बावजूद राज्य की हजारों महिला इस योजना से वंचित हैं।

ऑनलाइन आवेदन में बैंक खाता और आइएफएससी कोड गलत भरे जाने के कारण उनका भुगतान नहीं हो रहा है। सैकड़ों महिलाएं सुधार के लिए रोज अंचल कार्यालय आती है और निराश होकर चली जाती हैं।

जिला सचिव रमेश प्रजापति व जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने कहा कि 15 दिनों के अंदर त्रुटियां सुधार कर भुगतान नहीं किया जाता है तो अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।

प्रदर्शन के बाद 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में महेन्द्र तुरी, नागेश्वर दास, शंभू पासवान, बसंती देवी, जीतन तुरी, बिनोद तुरी, महेन्द्र यादव, करुणा देवी, रीना कुमारी आदि महिलाएं शामिल थीं।

कांग्रेस ने भारत में पूर्ण लोकतंत्र कभी लागू नहीं होने दिया: अर्जुन मुंडा

रांची, एजेंसी। भाजपा रांची महानगर के तत्वावधान में शुक्रवार को संविधान गौरव अभियान के तहत गोष्ठी का आयोजन हुआ. बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने अभियान के उद्देश्यों एवं कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में फुल डेमोक्रेसी कभी लागू नहीं होने दिया. हमारा संविधान केवल शब्दों,धाराओं और अनुच्छेदों का संग्रह नहीं बल्कि एक धर्म ग्रंथ है जिसपर सभी भारत वासियों को गर्व है.

कहा कि जनसंघ और भाजपा की स्थापना ही देश में संविधान को लागू करने केलिए हुआ. एक विधान ,एक निशान के नारों के साथ हमारे प्रेरणा पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हुआ. राहुल गांधी विगत लोकसभा चुनाव के समय से संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे. उन्हें पता चल गया है कि भाजपा संविधान की धाराओं को उसकी मूल भावनाओं को तेजी से धरातल पर उतार रही. कांग्रेस के मंसूबों को उजागर कर रही इससे कांग्रेस का सफाया तय है.

कांग्रेस पार्टी को गैर कांग्रेसी सरकारों से चिढ़ : कांग्रेस पार्टी को गैर कांग्रेसी सरकारों से चिढ़ है. आज वे देश की सत्ता से ,विभिन्न राज्यों से हार रहे फिर भी वे 1952 वाला अधिकार चाहते हैं. डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोच को ही 2019 में दुबारा सरकार बनते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 को समाप्त कर जमीन पर उतरा. कांग्रेस पार्टी को संविधान के लागू होने संबंधी एक नोटिफिकेशन करने में तीन दशक लग गए थे.

कहा कि जनता को 6 बार कांग्रेस की सरकार चुननी पड़ी. कांग्रेस पार्टी को दलित आदिवासी की चिंता नहीं अपने अस्तित्व की चिंता है. कांग्रेस पार्टी दलितों, आदिवासियों को सिर्फ हथियार बनाकर रखना चाहती है. संविधान की बात करने वालों ने शाहबानो प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद एक महिला को उसके हक से वंचित किया. आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या का प्रयास किया.

नेहरू के विचारों से जयपाल सिंह मुंडा की असहमति रहती थी : पंडित जवाहर लाल नेहरू के विचारों से जयपाल सिंह मुंडा जी की असहमति रहती थी जबकि वे डॉ अंबेडकर के विचारों से पूरी तरह सहमत होते थे. बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को पूरे देश की चिंता थी. उन्हें पता था कि एक वर्ग के पिछड़ने से पूरा देश पिछड़ता है. इसीलिए उन्होंने ने संविधान में प्रावधान किए. लेकिन कांग्रेस पार्टी को सभी वर्गों की चिंता नहीं. उसे केवल अपनी सरकार की चिंता हुई.

आज नरेंद्र मोदी की सरकार में आदिवासी, दलित पिछड़े विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे. आज सामान्य परिवार की आदिवासी महिला देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद महामहिम राष्ट्रपति को सुशोभित कर रही.

कांग्रेस को भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व नहीं. कांग्रेस की सरकार ने आजाद भारत में रामलाला की मूर्ति गर्भ गृह से हटाने का प्रयास किया. जहां मोदी सरकार में भव्य मंदिर आकर ले रहा रामलला विराजमान हुए.

कांग्रेस ने प्रस्तावना को छिन्न-भिन्न कर दिया: गुरुप्रकाश : राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश पासवान ने कहा कि कांग्रेस आज अंबेडकर के विरासत की दावेदारी कर रही जिसने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को जिंदा में भी परेशान किया, अपमानित किया और मरणोपरांत भी अपमानित किया. भारत का संविधान 144 करोड़ देशवासियों की श्रद्धा है जिसे कांग्रेस ने लगातार अपमानित किया. प्रस्तावना को छिन्नभिन्न कर दिया. राजीव गांधी ने मंडल कमीशन का विरोध किया, आज राहुल गांधी जी विदेश की धरती पर आरक्षण का विरोध करते हैं.

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 26 जनवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

एलन मस्क चीन की कंपनी के साथ कर सकते हैं समझौता?

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के अगले दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की। उसके लिए उन्होंने अमेरिका की तीन ऐसी कंपनियों को चुना, जो एआई के क्षेत्र में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकती हैं। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से उनके कैबिनेट सहयोगी और समर्थक एलन मस्क भी ट्रंप से नाराज हो गए हैं। अमेरिका के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कितनी जरूरी है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चीन की सर्वोच्च प्राथमिकता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चीन की कामयाबी दुनिया के देशों को हैरान कर रही है। चीन अभी इस मामले में पीछे था, लेकिन पिछले वर्ष उसने भी अपना सारा ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में लगा दिया है। अमेरिका ने पिछले वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चीन की रफ्तार को धीमी करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए हैं। अमेरिका ने चीन के लिए चिप्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। कई महीनों तक अमेरिका से चीन को एआई के लिए काम में आने वाली चिप्स निर्यात नहीं की गई। चीन के शोधकताओं ने अमेरिका के जो शोध पत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर प्रकाशित हुए थे, उसके आधार पर चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी को लेकर काफी प्रगति कर ली है। चीन अब हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में अमेरिका के मुकाबले आकर खड़ा हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर अमेरिका और चीन की सरकार के बीच में जो प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, उसमें बड़े-बड़े उद्योगपति भी शामिल हो गए हैं। एलन मस्क का बहुत बड़ा कारोबार चीन में फैला हुआ है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने जिन तीन कंपनियों को इसकी जिम्मेदारी दी है, उन्हें एलन मस्क पसंद नहीं करते हैं। ऐसी स्थिति में वह चीन के साथ जुड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अपना भविष्य देख सकते हैं। चीन मौके की नजाकत को समझ रहा है। अगला भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने का सबसे बड़ा आधार होगा। एलन मस्क ने जिस तरह से नाराजगी जताई है, वह ट्रम्प और मस्क के रिश्तों को खराब कर सकती है। इस स्थिति में दुनियाभर के कारपोरेट जगत में एक नई जंग देखने को मिल सकती है। अमेरिका का केबिनेट पहली बार अमीरों की सरकार है। अमेरिका की सरकार कारपोरेट की सरकार है। जिसके कारण अमेरिका में सत्ता और कारपोरेट जगत में टकराव बढ़ने का फायदा चीन को हो सकता है। चीन ही दुनिया में एक ऐसा देश है, जो शोध में सबसे ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। तकनीकी के क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने की स्थिति किसी भी देश में नहीं है। एआई की यह जंग अमेरिका और चीन में कौन महाशक्ति के रूप में उभरेगा, इसका भी निर्धारण जल्द ही हो जाएगा। भारत में एआई को लेकर बहुत बात हो रही है। भारत को या तो अमेरिका के ऊपर निर्भर रहना पड़ेगा या चीन के ऊपर निर्भरता बनानी होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग भारत में अभी सबसे ज्यादा हो रहा है। अमेरिका और चीन के लिए भारत ही निशाने पर होगा। भारत सरकार इस मामले में ना तो कोई शोध कर रही है, ना ही भारत के आईटी क्षेत्र के दिग्गज काम कर रहे हैं। अमेरिका और चीन की दिग्गज कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सक्रिय हैं। ऐसी स्थिति में भारत

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है।

हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

... कितना सफल हो पाया है देश का गणतंत्र!

- डा. श्रीगोपाल नारसन

हमारा संविधान भले ही जाति धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न करता हो, लेकिन राजनीति से जुड़े लोग सत्ता की चाबी हाथ लगते ही चाबी अपने पास बनाये रखने के लिए भारतीय संविधान को उसकी मूल भावना से परे जाकर संविधान को अपने अपने स्वार्थ से परिभाषित करने का प्रयास करते है।तभी तो अभी तक एक सौ से अधिक बार भारतीय संविधान को संशोधनों का सामना करना पड़ा है।भारतीय संविधान की वर्षगांठ पर यह चिंतन करना आवश्यक है कि दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र में क्या सही मायनों में स्वस्थ लोकतंत्र बचा हुआ है। क्या यह सच नही है कि गण का तंत्र होने पर भी गण ही अपने अधिकार से वंचित होकर रह गए है। भारतीय संविधान मिलने के बाद आमजन को लगा था कि अब उनका शासन उनके द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन चन्द पूंजीपतियो की जेब का खिलौना बने राजनीतिक दलों ने आमजन को दरकिनार कर पूंजीपतियों के सहारे देश में कुर्सी प्राप्त करने की ऐसी चाल चली कि लोकतन्त्र बेचारा धराशाही होकर रह गया। विधायको और सांसदो की सत्ता के लिए होती कथित खरीद फरोख्त ने तो देश के लोकतन्त्र को कमजोर करके रख दिया है।

भारतीय गणतन्त्र को यूं धराशाही करने की कोशिश की जाएगी यह संविधान निर्माण के समय किसी ने सोचा तक नही था। इस लोकतन्त्र में क्या वास्तव में आमजनता को उनका अपना वास्तविक तन्त्र मिल पाया है?भारतीय संविधान की मूल भावना जनता पर जनता के द्वारा शासन का सपना क्या वास्तव में चरितार्थ हो पाया है? सन 1950 में भारतीय संविधान भले ही देश में लागू हो गया हो। भले ही देश के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान में समानता का अधिकार देने की व्यवस्था की गई हो, लेकिन गणतन्त्र लागू होने के इतने वर्षों बाद भी देश मे नाम मात्र के लोगो का ही गणतन्त्र बन पाया है। देश मे राज वे लोग ही कर रहे है,जो धन बल से परिपूर्ण है। बेचारी आम जनता तो आजादी के बाद से आज तक इन धन बल वालो की ही मोहताज बनी हुई है। यही कारण है कि आम लोग जब असहनीय रूप से शोषित और पीड़ित हो जाते है तो वे अपने अधिकारों के लिए सडकों पर आकर आंदोलन करने को मजबूर होते है।जिन्हें फिर लाठी डंडे से दबाने की कोशिश की जाती है। लेकिन यह तय है कि अब आम आदमी अपने विरूद्ध होने वाले हर अन्याय का

प्रतिवाद करने को तैयार हो गया है। ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रपति पद तक के चुनाव में कोई भी आम आदमी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पा रहा है। ग्राम स्तर पर गांव के धनाढय वर्ग से जुडे लोग चुनाव लडते है तो क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, विधान सभा,लोक सभा चुनाव मे भी आम जनता मे से कोई चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता है।। क्योकि लाखो करोड़ो रुपयों के बिना अब कोई भी चुनाव लडना सभंव नही रह गया है। राज्य सभा और विधानपरिषद तो राजनीतिक दलो की अपनी बपोती बन गई है। शायद ही किसी गरीब और आम आदमी को इन सदनो मे से किसी का सदस्य बनाया गया हो, बडी राजनितिक पार्टिया अपने चेहतो को राज्य सभा और विधान परिषदो मे भेजकर लंबे समय उपकृत करती रही है । इन सीटो पर वे अपने चेहतो को भेजने के लिए संख्या बल के हिसाब से सीटो का आपसी बटवारा कर लेते है। जिससे आम जनता हर बार ठगी सी रह जाती है। इसी कारण इन सदनो मे चुनकर जाने वाले नेता अपने क्षेत्र के प्रति जवाबदेह भी नही रहते, यहॉ तक कि उनकी सांसद निधि और विधायकनिधि या तो खर्च ही नही हो पाती या फिर उसका जमकर दुरूपयोग किया जाता है।जो राष्ट्रहित में नही है।

गत चुनाव मे एक भी ऐसा

प्रत्याशी किसी बडे रानीतिक दल से चुनाव मैदान में नही आया जो गरीब की रेखा से नीचे का हो या फिर आमजनता के बीच का हो और किसी बडी राजनीतिक पार्टी ने उसे टिकट दिया हो । जीवनभर अपनी पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले भी इसी कारण टिकट से वंचित रह जाते है क्योकि उनके पास धन बल नही होता। जबकि धनबल के सहारे दलबदल कर स्वार्थी नेता हर पार्टी में टिकट पाने मे कामयाब हो जाते है। तभ तो करोडो खर्च करके जो मौकाप्रस्त टिकट पा जाते है, वे चुनाव जीतकर पहले जो चुनाव में करोड़ों रुपया खर्च किया उसे बटोरेंगे। ऐसे में वे कैसे जनता की सेवा कर पायगे? चुनाव प्रभावित क्षेत्रो से करोड़ो रुपए का काला धन पकडा जाना, चुनाव मे बेताहशा खर्च की असलियत का जीता जागता प्रमाण है। संविधान लागू होने के इतने वर्षो बाद भी व्यक्ति भूख से मर रहा है,रोजगार को तरस रहा है,अन्नदाता किसान आत्महत्या कर रहा है।आज भी पुलिस जिसे चाहे, जब चाहे, जहॉ चाहे उठाकर बिना किसी कारण के हवालात में बन्द कर देती है,पुलिस हिरासत में मौत तक हो जाती है। जो चाहे सडक जाम कर मरीजो को अस्पताल जाने से रोक देता है। आज भी कर्मचारी या अधिकारी चाहे तो गरीब को उसके द्वारा घूस न देने के कारण उसे उसके मौलिक अधिकारों से वंचित कर देते है। आज भी प्राइवेट स्कूलों व प्राइवेट अस्पतालो मे गरीबो के लिए के लिए प्रवेश नही मिल पाता। आरक्षण व्यवस्था लागू होने पर भी उन्हे प्रवेश से वंचित किया जाता है। आज भी गरीब की भूमि पर भूमाफियाओ के कब्जे की शिकायते मिलना आम बात है।आज आमजन नेताओ के झूठे वायदो व भृष्टअधिकारियो के मायाजाल में फंसकर परेशान है। ऐसे में कैसे, भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप सभी भारतीयों को उनका अपना लोकतन्त्र मिल पाएगा,यह विचार आज के दिन हमे करना चाहिए।यही आज की जरूरत भी है।तभी हम अपने लोकतंत्र को कमजोर होने से बचा सकते है।

स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

- डॉ. शंकर सुवन सिंह

भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम/प्रसंग है- स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है । गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 - 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के जरिए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को संप्रभु और लोकतांत्रिक शब्दों के बीच जोड़ा गया और राष्ट्र की एकता शब्दों को राष्ट्र की एकता और अखंडता में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है। स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दशार्ता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान् राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान् राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है। यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान् राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं,और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यतः निम्नलिखित विरासतें हैंः-1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत। सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है- मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं। मिश्रित विरासत स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। भारत में 43 यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थान शामिल हैं। भारत में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा अनुरक्षित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घटक शामिल हैं। इन धरोहर स्थलों से विदित होता है कि भारत ने विरासत में अपने पूर्वजों से और प्रकृति से स्वर्णिम धरोहर प्राप्त किये। भारत में रामायण (बाल्मीकि), महाभारत व भगवद गीता (वेद व्यास), मनु स्मृति (ऋषि मनु), अभिज्ञान शाकुंतलम (कालिदास), रामचरित मानस (तुलसीदास), आदि असंख्य ग्रंथों की रचना ऋषि मुनियों ने की। वेद, पुराण, उपनिषद और दर्शन आदि ये सभी भारतीय विरासत के अभिन्न अंग हैं। वेदों से ही चौथा वेद अथर्वेद आया।

केन्द्र और राज्य सरकार ने मिलकर रचा वन्यजीव संरक्षण का इतिहास

अवनीश सोमकुवर

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश की आकर्षक झांकी में इस बार कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में हुई चीता की वापसी की झलक दुनिया के सामने प्रदर्शित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य सरकार की वन्यजीव संरक्षण के लिये प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत में चीते की वापसी अंतरमहाद्वीपीय वन्यजीव स्थानांतरण की ऐतिहासिक पहल है। यह 1950 के दशक में विलुप्त हो गए चीते की आबादी को फिर से स्थापित करने में भारत को मिली ऐतिहासिक सफलता है। अफ्रीका से स्वस्थ चीतों की परिवहन प्रक्रिया भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक मील का पत्थर है। भारत में 17 सितंबर 2022 को आठ चीतों का पहला समूह आया, जिसमें 5 मादाएं और 3 नर चीते थे। नामीबिया से कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर में इन्हें स्थानांतरित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हें कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ने की सम्पूर्ण प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग की। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को दूसरा समूह पहुंचा, इनमें 12 चीते (7 नर और 5 मादा) थे। प्रोजेक्ट चीता एक उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धि के रूप में हमारे सामने है, जो राष्ट्रीय गौरव की पुनर्स्थापना में योगदान कर रहा है। इसने भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है। चीते को भारत में फिर से वापस लाने से पहले उनके लिए एक आदर्श रहवास का चयन करने के लिए बहुत सावधानी से योजना बनाई गई। ईरान से एशियाई चीते के अस्तित्व के अभाव को देखते हुए दुनिया भर के प्रसिद्ध संरक्षणवादी, आनुवंशिकीविदों से परामर्श किया गया। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से आए उप-प्रजातियों को सबसे उपयुक्त माना गया, जो स्थिर और पर्याप्त आबादी का समर्थन करते हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान ने 2022 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एक व्यापक वैज्ञानिक कार्य योजना तैयार की। यह ऐतिहासिक पहल अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप है, जो मांसाहारी प्रजातियों के स्थानांतरण के लिए एक रणनीतिक और पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण को सुनिश्चित करती है। भारत में चीते की वापसी की पहल सिर्फ एक परियोजना नहीं है, बल्कि उनके मौलिक रहवासों के पुनर्स्थापना का एक वैज्ञानिक प्रोटोटाइप है। यह ग्रासलैंड पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित करने और स्थानीय जैव-विविधता का संरक्षण करने की पहल है। चीते की वापसी की योजना ने ऐतिहासिक जैव पारिस्थितिकी के नाजुक संतुलन को बनाये रखने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है। इसके लिये उपयुक्त रहवास स्थलों की पहचान करने में मध्य भारत के दस स्थानों का सर्वेक्षण किया गया। इन स्थानों में से मध्यप्रदेश का कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान सबसे उपयुक्त पाया गया। कुल 748 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला कूनो राष्ट्रीय उद्यान न केवल उपयुक्त रहवास है, अपितु यहाँ चीतों के लिए पर्याप्त शिकार भी उपलब्ध हैं। साथ ही यह स्थान मानवीय गतिविधियों से मुक्त है। 1952 में भारत सरकार ने चीते की दयनीय स्थिति को समझ लिया था और उसे विशेष संरक्षण देने का संकल्प लिया था। इसके बाद 1970 के दशक में ईरान से एशियाई चीते लाने की बातचीत असफल रही। भारत में चीतों की वापसी की कहानी एक घुमावदार कहानी है, जो 1950 के दशक में प्रजातियों के विलुप्त होने तक जाती है। आधिकारिक प्रयास 1970 के दशक में शुरू हुए, जिसमें ईरान और उसके बाद केन्या से बातचीत शुरू हुई। वर्ष 2009 में, भारत ने अफ्रीकी चीतों के लिए प्रस्ताव रखा। वर्ष 2020 में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सीमित संख्या में चीते लाने की अनुमति मिली, ताकि उनकी भारतीय पर्यावरण में रहने की क्षमता का परीक्षण किया जा सके।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज करियर में लाभ होगा और आपको आशातीत सफलता मिलने से मन प्रसन्न होगा।	तुला	दिन सफलता से भरा होगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं।
वृषभ	आज करियर में लाभ होगा और परिवार के लोगों के साथ आपका दिन आनंद में बीतेगा।	वृश्चिक	आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति में वृद्धि होगी।
मिथुन	आपके सम्मान में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु और संपत्ति को पाने की अभिलाषा पूरी होगी।	धनु	आज आपके खर्च में वृद्धि होगी। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।
कर्क	भाग्य में वृद्धि का दिन है। अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से आपका मन खुश होगा।	मकर	क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।
सिंह	तरक्की आरंभ होगी। आज का दिन परोपकार में बीतेगा और आपके आनंद में वृद्धि होगी।	कुंभ	आज करियर में लाभ होगा और आपको भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।
कन्या	आपकी तरक्की होगी। सेवा और पुण्य कार्यों पर धन का व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा।	मीन	आज आपके धन में वृद्धि होगी। पास और दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है।

विशेष

महाकुंभ के शिविरों में लगी आग

प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है। इसमें देश भर से करोड़ों लोग पहुंच रहे हैं। हजारों साधु संत महाकुंभ में विराजमान हैं। कुंभ में लगाए गए शिवरों में आग लग गई। इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। इसको लेकर राहत की सांस ली जा सकती है। गीता प्रेस के शिविर में जहां से धार्मिक पुस्तक बांटी जानी थी। उसमें आग लग जाने से इसे अपशगुन माना जा रहा है। जिस तरह से सरकार धर्म का प्रचार-प्रसार कुंभ में कर रही है। इसमें शगुन और अपशगुन का भी बड़ा महत्व है। धार्मिक आस्था से जुड़े हुए लोगों का कहना है, कुंभ के पहले ही स्नान के बाद शिविर में आग लग जाना एक बड़ा अपशगुन है। धर्म आस्था पर आधारित है। अतः शगुन और अपशगुन भी आस्था पर आधारित है।

राहुल पहुंचे पटना, पप्पू यादव नदारत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18 जनवरी को पटना पहुंचे थे। उन्होंने पटना में संविधान रक्षा सम्मेलन में भाग लिया। राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव, रावड़ी देवी और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। पटना में पप्पू यादव उनसे मिलने के लिए नहीं आए। पप्पू यादव को लेकर कांग्रेस की लालू यादव और तेजस्वी यादव से दूरियां बढ़ी है। राहुल गांधी की पप्पू यादव से मुलाकात नहीं होना, बिहार में चर्चा का विषय बन गया है। तेजस्वी यादव किसी भी कीमत पर अपने मामा को अपने साथ नहीं देखना चाहते हैं। पप्पू यादव को हराने के लिए भी यादव वंशी आपस में भिड़ गए थे। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी की मुलाकात लालू यादव से होना, बिहार की राजनीति को लेकर इंडिया गठबंधन की क्या रणनीति आगे चलकर होगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

: 84 हांगकांग ब्रिटिश कब्जे में चला गया. : 885 ब्रिटिश जनरल चार्ल्स गार्डन सूडान में मारे गए. : 930 स्वराज दिवस का आयोजन किया गया. : 930 स्वतंत्रता के लिए देशभर में लाखों लोगों ने शपथ ली. : 934 जर्मनी और पोलैंड के बीच दस वर्षीय अनाक्रमण संधि हुई. : 950 भारत लोकतांत्रिक गणराज्य बना और नया संविधान लागू हुआ.: 950 आखिरी गर्वनर जनरल सी. राजगोपालाचार्य ने पद छोड़ा तथा संघीय न्यायालय उच्चतम न्यायालय बना. : 972 इंडिया गेट पर राष्ट्रीय स्मारक अमर जवान स्थापित किया गया. : 98 वायुदूत विमान सेवा की शुरूआत हुई. : 990 रोमानिया के उपराष्ट्रपति डी. माजिलू ने इस्तीफा दिया. : 99 इराक ने अपने सात विमान ईरान भेज दिए. : 992 मारीटानिया में विपक्ष के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोली से अनेक लोग घायल हुए.

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.51 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	09.24 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.54 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.34 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.33 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	16.46 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	19.02 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	21.14 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.25 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	वृश्चिक	01.39 ब.से
		धनु	03.55 बजे से
		मकर	06.01 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 25 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 20.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 07.08 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 04.38 बजे प्रात: को समाप्त।
करण बव 08.04 बजे तदनन्तर बालव 20.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872235
जूलियन दिन 2460700.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब **तारीख** 24
विशेष षटतिला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

26-01-2025 Final_26-01-2025 Final.qxd 1/26/2025 12:33 AM Page 10

गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए क्यों 26 जनवरी की तारीख को चुना गया

देश का संविधान तो 26 नवंबर 1949 में ही बनकर तैयार हो गया था, फिर संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव ही क्यों? किया गया? क्यों 26 जनवरी को ही मनाया जाता है गणतंत्र दिवस?

हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है. इस दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, ऐसे में इस दिन को एक राष्ट्रीय पर्व के तौर पर धूमधाम से मनाया जाता है. लेकिन क्या आपके दिमाग में कभी ये सवाल आया कि गणतंत्र दिवस के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव ही क्यों किया गया, जबकि देश का संविधान तो 26 नवंबर 1949 में ही बनकर तैयार हो गया था. यहां जानिए इस दिन से जुड़ी खास बातें.

ये है 26 जनवरी को संविधान लागू करने की वजह

संविधान को लागू करने के लिए 26 जनवरी की तारीख का चुनाव करने के पीछे एक खास वजह है. बहुत कम लोग जानते हैं कि देश में पहली बार स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी 1930 को मनाया गया था. दरअसल 31 दिसंबर, 1929 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव पारित हुआ था. इस प्रस्ताव में यह मांग की गई थी कि अगर ब्रिटिश सरकार ने 26 जनवरी 1930 तक भारत को उपनिवेश (डोमीनियन स्टेट) का दर्जा नहीं दिया तो भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित कर दिया जाएगा. इसके बाद पहली बार स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी, 1930 को मनाया गया और इस दिन तिरंगा भी फहराया गया था. तभी से 26 जनवरी की तारीख देशवासियों के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गई थी. जब देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ तो आधिकारिक रूप से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया गया. लेकिन 26 जनवरी की तारीख को यादगार बनाने के लिए 26 जनवरी का चुनाव संविधान लागू करने के लिए किया गया. यही कारण है कि 26 नवंबर, 1949 में संविधान बन जाने के बाद भी दो महीने इंतजार किया गया और 26 जनवरी 1950 में इसे लागू किया गया.

राष्ट्रपति ने की थी घोषणा

26 जनवरी 1950 में भारत के पहले राष?ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ झंडा फहराया था और भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया था. तब से हर साल इस दिन गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाया जाता है. देश के राष्ट्रपति इस दिन कार्यक्रम में शामिल होकर झंडा फहराते हैं और उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाती है.

सेना की परेड कैसे बनी गणतंत्र दिवस की शान

इस साल भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है, जिसकी थीम है स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास. गणतंत्र दिवस की परेड में भारत अपनी सेनाओं की ताकत, तकनीकी तरक्की और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करता है. इस दौरान सेना की खास परेड होती है. आइए जान लेते हैं कि सेना की परेड कैसे गणतंत्र दिवस की शान बन गई?

हर साल 26 जनवरी को भारत अपना गणतंत्र दिवस मनाता है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस मौके पर भव्य परेड का आयोजन किया जाता है. इसमें पूरे भारत की तस्वीर झांकियों के रूप में सामने आती है तो देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी करता है. इससे दुनिया को यह संदेश जाता है कि भारत की ओर आंख उठाने की हिम्मत न करे तो देशवासियों को यह आश्वासन मिलता है कि देश अपनी रक्षा करने में सक्षम है. इस साल भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है, जिसकी थीम है स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास. आइए जान लेते हैं कि सेना की परेड कैसे गणतंत्र दिवस की शान बन गई? अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद भारत ने 26 नवंबर 1949 को अपना संविधान अंगीकार किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था. हर साल इसी उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारत अपनी सेनाओं की ताकत, तकनीकी तरक्की और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन करता है. इस दौरान सेना की खास परेड होती है, जो रायसीना हिल से शुरू होकर कर्तव्य पथ (पहले राजपथ) पर इंडिया गेट होते हुए लालकिले तक जाती है.

पहली बार तीन हजार जवानों ने किया था मार्च

इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने अपनी किताब इंडिया ऑफ्टर गांधी में लिखा है कि पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सामने सशस्त्र सेनाओं के तीन हजार जवानों ने मार्च किया था. 31 तोपों की सलामी दी गई थी और वायुसेना के विमानों ने करतब दिखाए थे. पहली परेड का आयोजन जहां एक स्टेडियम में किया गया था, वहीं अगले ही साल इसे राजपथ पर शिफ्ट कर दिया गया. इसके बाद जल्द ही केंद्र सरकार राज्यों को भी इसमें हिस्सेदारी के लिए आमंत्रित करने लगी और सांस्कृतिक प्रदर्शनी भी परेड का हिस्सा बन गई. इससे परेड अनेकता में एकता का प्रतीक बन गई.

झांकियों के साथ बढ़ती गई परेड

जैसे-जैसे राज्य अपनी झांकियां परेड में भेजने लगे, परेड और भी लंबी और कलरफुल होती गई. दिल्ली से दूर रहने वालों के लिए यह परेड आज भी आकर्षण का केंद्र है. अब तो इसमें कई सरकारी विभाग भी हिस्सा लेते हैं. वास्तव में भारतीयों के लिए शुरुआत में यह परेड एक शक्तिशाली गणतंत्र के रूप में अपने अस्तित्व को दर्शाने का प्रतीक थी. इसके लिए अंग्रेजी सरकार से भी कुछ प्रेरणा मिली थी, जो अपने ग्रैंड रिसेप्शन और प्रोसेशन के लिए जानी जाती थी और जिससे भारतीय काफी हद तक परिचित थे.

अलग-अलग क्षेत्रों में तरक्की का प्रदर्शन

समय के परेड में भव्यता आती गई. जैसे-जैसे भारत अलग-अलग क्षेत्रों में तरक्की करता रहा, उसका प्रदर्शन भी इसका हिस्सा बनता रहा. परेड में तीनों सेनाओं की टुकड़ियां, अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां, एनसीसी के कैडेट तो कदमताल करते ही हैं, भारतीय सेनाओं के पास मौजूद अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन भी किया जाता है. परेड का मुख्य आकर्षण भी सेना के टैंकों से लेकर मिसाइलें तक होती हैं. ये जब राष्ट्रपति को सलामी देती हैं तो पूरा देश जज्बे से ओतप्रोत हो जाता है. हवा में करतब दिखाते वायुसेना के विमान हर किसी को रोमांचित कर देते हैं.

इस बार इतनी भव्य होगी परेड

दिल्ली में इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में आत्मनिर्भर भारत की खास झलक दिखाई देगी. भारतीय सेना इसमें स्वदेशी और अत्याधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन दुनिया के सामने करेगी. टी-90 भीष्म टैंक, सारथ टैंक, नाग मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस मोबाइल लॉन्चर, बजरंग लाइट स्पेशलिस्ट वाहन, चेतक ऑल टेरेन व्हीकल, अग्निबाण मल्टीबैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार और वाहन इसका हिस्सा होंगे. हवा में एयरफोर्स अपनी ताकत और करतब से लोगों को रोमांचित करेगी. करीब 77 हजार लोगों की मौजूदगी में 300 कलाकार परेड की शुरुआत करेंगे. इसके बाद 18 मार्चिंग दस्ते, 15 बैंड और 31 झांकियां इसका हिस्सा बनेंगी. बताया जा रहा है कि कुल 5000 कलाकार कर्तव्य पथ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे.

विदेशी राष्ट्राध्यक्ष होता है मुख्य अतिथि

गणतंत्र दिवस समारोह में किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है. साल 1950 में इसकी शुरुआत इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति सुकर्णो से हुई थी. मुख्य अतिथि की सूची भारत के साथ दूसरे देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों को भी दर्शाती है. चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मार्शल ये जियांइंग साल 1958 में इसके मुख्य अतिथि थे. साल 2015 में गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार किसी अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में बराक ओबामा इसके मुख्य अतिथि बने थे. इस साल एक बार फिर इंडोनेशिया के ही राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे.

कैसा था पहला गणतंत्र दिवस

भारतवासी 26 जनवरी 2025 को 76 वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। आज ही के दिन वर्ष 1950 को पूरे देश में उत्साह और गर्व का माहौल था। इस दिन भारत का संविधान आधिकारिक तौर पर लागू हुआ और भारत को गणराज्य घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में हर साल गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाने की शुरुआत हुई। अब पूरे देश के स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी दफ्तरों के अलावा कई जगहों पर देशप्रेम की भावना के साथ गणतंत्र दिवस का पर्व खास समारोह के तौर पर मनाया जाता हैं लेकिन पहले साल गणतंत्र दिवस को कैसे मनाया गया, उस समय देश का माहौल कैसा था और कहां गणतंत्र दिवस का उत्सव सबसे पहले मनाया गया, ये जानना भी दिलचस्प होगा।

पहली बार कहां मनाया गया था गणतंत्र दिवस

पहला गणतंत्र दिवस समारोह दिल्ली के इरविन स्टेडियम (वर्तमान में राष्ट्रीय स्टेडियम) में आयोजित हुआ था। यह उस समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उत्सव था, जिसमें भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारतीय ध्वज फहराया और परेड का नेतृत्व किया।

कैसे मनाया गया था पहला गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 1950 को सुबह 10.18 बजे भारत का संविधान लागू किया गया। यह दिन 1930 में पूर्ण स्वराज दिवस के संकल्प के कारण चुना गया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में 26 जनवरी 1950 को शपथ ली। उन्होंने गवर्नमेंट हाउस जो कि अब राष्ट्रपति भवन है, में तिरंगा झंडा फहराया।

परेड और झांकी

पहली बार दिल्ली में भारतीय सेना की परेड आयोजित हुई, जिसमें भारत की ताकत और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया गया। इसमें सेना, नौसेना और वायुसेना ने भाग लिया। पहला गणतंत्र दिवस भारत की स्वतंत्रता के बाद एक और ऐतिहासिक कदम था, जिसने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणराज्य बना दिया।

गणतंत्र दिवस की झांकी कैसे चुनी जाती हैं, कौन लगाता है मुहर?

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय नौसेना की झांकी खास होगी. सेना की झांकी में इस साल शामिल की गई पनडुब्बी और युद्धपोत नजर आएंगे. INS वागशीर, INS सूरत और INS नीलगिरी को इसका हिस्सा बनाया जाएगा. हर साल कई राज्यों की झांकियों को गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा बनाया जाता है और कई राज्यों की झांकियों को रिजेक्ट भी किया जाता है. हालांकि, झांकी को रिजेक्ट करने पर इसका कारण भी बताया जाता है. देश में गणतंत्र दिवस की झांकियों के सेलेक्शन का काम रक्षा मंत्रालय करता है. झांकी को चुनने और उसे हरी झंडी मिलने की भी एक अपनी प्रक्रिया होती है. जानिए, गणतंत्र दिवस के लिए कैसे चुनी जाती है झांकी.

कैसे चुनी जाती है झांकी?

गणतंत्र दिवस के आयोजनों की जिम्मेदारी रक्षा मंत्रालय के पास होती है. इसलिए रक्षा मंत्रालय, राज्यों, मंत्रालयों और सरकारी उपक्रमों से झांकी के आवेदन मांगता है. आमतौर पर इसकी तैयारी सितम्बर से शुरू होती है. कई बार इसकी प्रक्रिया अक्टूबर में शुरू होती है. झांकियों को चुनने के लिए रक्षा मंत्रालय सेलेक्शन कमेटी बनाता है. इस कमेट में अलग-अलग क्षेत्र जैसे म्यूजिक, आर्किटेक्चर, पेंटिंग, कोरियाग्राफी और स्कल्पचर के विशेषज्ञ होते हैं. एक्सपर्ट कमेटी पहले आवेदनों की थीम, डिजाइन और कॉन्सेप्ट को चेक करते हैं. यह पहला चरण होता है, जिसमें झांकी को स्केच के रूप में पेश किया जाता है. इसके जरिए उसकी खूबियों को बताया जाता है. पहले चक्र की प्रक्रिया के बाद आवेदकों से झांकी का 3डी मॉडल भेजने को कहा जाता है. इस दूसरे चक्र में अकर मॉडल को हरी झंडी मिल जाती है तो राज्य में झांकी बनाने की शुरुआत हो जाती है. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, झांकी का सेलेक्शन कई मानकों पर निर्भर करता है. जैसे- वो दिखने में कैसी है. लोगों पर कितना असर डालेगी. उसमें किस तरह का संगीत इस्तेमाल हुआ है. जिस विषय को ध्यान में रखते हुए इसे बनाया गया है वो कितना गहराई के साथ दिखाया जा रहा है.

इन बातों का रखा जाता है ध्यान

झांकी के सेलेक्शन की प्रक्रिया 6 से 7 चरणों में होती है. कई मानकों पर खरा होने के बाद झांकियों की शॉर्टलिस्टिंग की जाती है. कमियां रह जाने पर फाइनल अप्रूवल देते समय बदलाव करने को कहा जा सकता है. रक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन कहती है, दो राज्यों की झांकी एक तरह की नहीं होनी चाहिए. इसके अलावा एक ही तरह की लिखावट या डिजाइन नहीं होनी चाहिए. राज्य का नाम हिन्दी या अंग्रेजी में होना चाहिए. अन्य भाषा के नाम को किनारों पर लिखा जा सकता है. गाइडलाइन में इको फ्रेंडली मैटेरियल का इस्तेमाल करने को प्राथमिकता दी जाती है. इसके अलावा मंत्रालय की तरफ से झांकी के लिए ट्रैक्टर और ट्रेलर उपलब्ध कराया जाता है. इस तरह कई चरणों के बाद अंतिम मुहर लगती है.

26-01-2025 Final_26-01-2025 Final.qxd 1/26/2025 12:33 AM Page 11

बजट: दो बच्चे होने पर मिलती थी ज्यादा छूट

नईदिल्ली, एजेंसी। आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट थी। उसके बाद के बजट में केंद्र सरकार की ओर से आमदनी और खर्च का ब्यौरा दिया जाने लगा। सरकार की आमदनी का एक हिस्सा इनकम टैक्स यानी आयकर से आता है। यह टैक्स देश के लोगों को अपनी कमाई से सरकार को देना पड़ता है। आजादी के समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी। उसके बाद आयकर व्यवस्था में समय-समय पर कई बदलाव किए गए। आइए जानते हैं देश की अब तक की यात्रा में कितना बदला आयकर

आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। हालांकि यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट थी। उसके बाद के बजट में केंद्र सरकार की ओर से आमदनी और खर्च का ब्यौरा दिया जाने लगा। सरकार की आमदनी का एक हिस्सा इनकम टैक्स यानी आयकर से आता है। यह टैक्स देश के लोगों को अपनी कमाई से सरकार को देनी पड़ती है। आजादी के समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी। उसके बाद आयकर व्यवस्था में समय-समय पर कई बदलाव किए गए। देश में एक समय ऐसा भी था जब बच्चों की संख्या के आधार पर किसी व्यक्ति को कितना टैक्स देना पड़ेगा, यह तय होता था। देश में आयकर का इतिहास कई और मायनों में भी दिलचस्प रहा है। आइए जानें इसका दिलचस्प इतिहास।

100 कमाने पर 2.25 ही जाते थे जेब में

- **नौकरीपेशा लोगों के लिए 7 लाख 75 हजार तक की आमदनी टैक्स फ्री–** केंद्रीय बजट 2024–25 में वित्त मंत्री की ओर से किए गए एलानों के बाद अगर किसी नौकरीपेशा करदाता की सालाना आय 7 लाख 75 हजार रुपये तक है, उसे आयकर नहीं चुकाना पड़ता है। क्योंकि स्टैंडर्ड डिडक्शन के 75,000 रुपये घटाने के बाद उसकी आमदनी 7 लाख रुपये रह जाती है।
  ऐसे में उसे कोई टैक्स नहीं देना पड़ता, क्योंकि नई टैक्स रिजीम के तहत सात लाख रुपये तक की आमदनी सरकार ने टैक्स फ्री कर रखी है। इसका मतलब है अगर किसी व्यक्ति का मासिक वेतन 64000 या 64500 रुपये के आसपास है तो उसे नई कर प्रणाली में कोई आयकर चुकाने की जरूरत नहीं है।
- **बजट 2025 में वित्त मंत्री से 10 लाख तक की आमदनी टैक्स फ्री करने की हो रही मांग** – केंद्रीय बजट 2025 में जानकारों ने वित्त मंत्री से 10 लाख रुपये तक की आमदनी को टैक्स के दायरे से अलग रखने की अपील की है।
  2023–24 के बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडिविजुअल टैक्सपेयर के लिए आयकर का दायरा बढ़ाने का एलान किया था। आयकर का दायरा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये (नई टैक्स रिजीम के तहत) कर दिया गया था। इस दौरान सुपर रिच टैक्स को भी घटाकर 37 प्रतिशत कर दिया गया था। वहीं रिटायर्ड कर्मियों के लिए लिव इनकैशमेंट की सुविधा में इजाफा कर उसे तीन लाख से 25 लाख रुपये कर दिया गया था।

नौकरीपेशा लोगों के लिए 7 लाख 75 हजार तक की आमदनी टैक्स फ्री

केंद्रीय बजट 2024–25 में वित्त मंत्री की ओर से किए गए एलानों के बाद अगर किसी नौकरीपेशा करदाता की सालाना आय 7 लाख 75 हजार रुपये तक है, उसे आयकर नहीं चुकाना पड़ता है। क्योंकि स्टैंडर्ड डिडक्शन के 75,000 रुपये घटाने के बाद उसकी आमदनी 7 लाख रुपये रह जाती है। ऐसे में उसे कोई टैक्स नहीं देना पड़ता, क्योंकि नई टैक्स रिजीम के तहत सात लाख रुपये तक की आमदनी सरकार ने टैक्स फ्री कर रखी है। इसका मतलब है अगर किसी व्यक्ति का मासिक वेतन 64000 या 64500 रुपये के आसपास है तो उसे नई कर प्रणाली में कोई आयकर चुकाने की जरूरत नहीं है।

बजट 2025 में वित्त मंत्री से 10 लाख तक की आमदनी टैक्स फ्री करने की हो रही मांग

केंद्रीय बजट 2025 में जानकारों ने वित्त मंत्री से 10 लाख रुपये तक की आमदनी को टैक्स के दायरे से अलग रखने की अपील की है। 2023–24 के बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडिविजुअल टैक्सपेयर के लिए आयकर का दायरा बढ़ाने का एलान किया था। आयकर का दायरा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये (नई टैक्स रिजीम के तहत) कर दिया गया था। इस दौरान सुपर रिच टैक्स को भी घटाकर 37 प्रतिशत कर दिया गया था। वहीं रिटायर्ड कर्मियों के लिए लिव इनकैशमेंट की सुविधा में इजाफा कर उसे तीन लाख से 25 लाख रुपये कर दिया गया था।

लोकपाल ने वित्त वर्ष 24 में अपने पास आई 95 प्रतिशत शिकायतों का किया निपटारा, केंद्रीय बैंक ने दी जानकारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि उनके लोकपाल ने एक वर्ष (एक अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024) में मिली शिकायतों में से 95.1 प्रतिशत का निपटारा कर दिया। केंद्रीय बैंक के अनुसार, एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी-आईओएस) के तहत, भारतीय रिजर्व बैंक के लोकपाल कार्यालय ओआरबीआईओ और केंद्रीकृत प्राप्ति व प्रसंस्करण केंद्र (सीआरपीसी) को कुल 9,34,355 शिकायतें मिलीं थीं। लोकपाल योजना की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। आरबीआई ने कहा है,

÷वर्ष के दौरान ओआरबीआईओ की ओर से कुल 2,84,355 शिकायतों का निपटारा किया गया। निपटान की दर 95.10 प्रतिशत रही।÷ ओआरबीआईओ में प्राप्त कुल शिकायतों में से 88.77 प्रतिशत शिकायतें डिजिटल तरीकों से आईं, जिनमें ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल, ईमेल और केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण व निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल शिकायतों में व्यक्तियों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 2,56,527 (87.27 प्रतिशत) थी।

बैंकों और एनबीएफसी के खिलाफ शिकायतें क्रमशः कुल शिकायतों का 82.28 प्रतिशत और 14.53 प्रतिशत थीं। ऋण और अग्रिम सबसे बड़ी श्रेणी (29.01 प्रतिशत) थी जिसके तहत शिकायतें प्राप्त हुईं। एक साल के दौरान दौरान, आरबीआई लोकपाल के निर्णयों के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकरण को 82 अपीलें मिलीं, जिनमें से 72 अपीलें शिकायतकर्ताओं से और 10 अपीलें विनियमित संस्थाओं (आरई) से मिलीं।

जम्मू-कश्मीर बैंक, केनरा और बैंक ऑफ बड़ौदा पर 5.94 करोड़ जुर्माना

नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए आरबीआई ने जम्मू-कश्मीर बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक पर कुल 5.94 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा, जम्मू-कश्मीर बैंक पर वित्तीय समावेशन, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, केवाईसी और ऋण-अग्रिम से जुड़े मानदंडों के उल्लंघन के लिए 3.31 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

बैंक ऑफ इंडिया पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949 के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए एक करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। केनरा बैंक पर प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, जमा पर ब्याज दर और वित्तीय समावेशन से जुड़े कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए 1.63 करोड़ जुर्माना लगाया गया है। इनके अलावा, वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर निर्देश नहीं मानने पर डेटसन एक्सपोर्ट्स पश्चिम बंगाल पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

रिपोर्ट में दावा: 2025-26 में 10.4 प्रतिशत बढ़ेगा सकल कर संग्रह

सरकार को मिलेंगे 41 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के कारण 2025-26 में भी कर संग्रह के रूप में सरकार की कमाई मजबूत बनी रहने की उम्मीद है। केयरएज रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा, अगले वित्त वर्ष में कर वसूली अच्छी रहेगी। सकल कर राजस्व 10.4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 41.4 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। बढ़ोतरी की यह रफ्तार 2025-26 के लिए अनुमानित 10.3 फीसदी की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि से थोड़ा अधिक है। शुद्ध कर राजस्व के रूप में सरकार की झोली में 28.2 लाख करोड़ रुपये आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सकल कर संग्रह के अनुमान में वृद्धि राजकोषीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सतत आर्थिक सुधार और प्रभावी राजस्व उपायों के महत्व को रेखांकित करता है। हालांकि, संभावित राहत उपायों के कारण आयकर संग्रह कम होने की वजह से 2025-26 में प्रत्यक्ष कर राजस्व 9.6 फीसदी की धीमी रफ्तार से बढ़कर 23.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। आर्थिक वृद्धि में सुधार के कारण कॉरपोरेट कर संग्रह में भी एक साल पहले की तुलना में 11.4 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है।

जीएसटी वसूली 11.8 लाख करोड़

अप्रत्यक्ष कर वसूली के रूप में सरकार को 18.1 लाख करोड़ रुपये की कमाई हो सकती है, जो सालाना आधार पर 11.9 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें जीएसटी का योगदान 11.4 फीसदी बढ़कर 11.8 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। खाद्य तेल पर उच्च टैरिफ के कारण सीमा शुल्क संग्रह में भी 20 फीसदी की मजबूत वृद्धि की संभावना है।

आरबीआई से सरकार को कम मिलेगा लाभांश– रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले वित्त वर्ष में गैर-कर राजस्व 9.8 फीसदी घटकर 4.8 लाख करोड़ रुपये रह सकता है। आरबीआई से सरकार को मिलने वाला लाभांश 1.1 लाख करोड़ से 1.3 लाख करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है, जो बीते वित्त वर्ष के 2.1 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है। विनिवेश से सरकार को अब तक 86 अरब रुपये ही मिले हैं। आईडीबीआई बैंक व शिपिंग कॉरपोरेशन की बिक्री से विनिवेश लक्ष्य हासिल करना संभव है।

सब्सिडी खर्च– 4.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान– सब्सिडी पर सरकार को खर्च चालू वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 4.1-4.2 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है। यह 3.8 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने रिपोर्ट में कहा, सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ने की प्रमुख वजह खाद्य और उर्वरक सब्सिडी पर अधिक खर्च करना है। इसके अलावा, भंडारण और परिवहन की ऊंची लागत भी सब्सिडी खर्च बढ़ा रही है।

मुंबई-दिल्ली शीर्ष 10 पसंदीदा बाजारों में शामिल

विदेशी निवेश के लिए एशिया-प्रशांत क्षेत्र का हुआ सर्वे

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई व दिल्ली सीमा पार निवेश के मामले में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शीर्ष-10 सबसे पसंदीदा बाजारों में शामिल हैं। मुंबई पांचवें और दिल्ली आठवें स्थान पर है। सीबीआरई इंडिया ने शुक्रवार को जारी सर्वे में कहा, एशिया-प्रशांत बाजारों में शुद्ध खरीदारी के इरादे में सुधार देखने को मिला है और यह बढ़कर 13 फीसदी पहुंच गई है। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने 2025 में अधिक अचल संपत्ति खरीदने की प्राथमिकता जताई है। भारत में भी शुद्ध खरीदारी धारणा तीन फीसदी पर पहुंच गई है। भारत में निवेशक कार्यालय, आवासीय, औद्योगिक और डाटा सेंचर सहित सभी परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करना चाहते हैं।

टोक्यो, सिडनी और सिंगापुर शीर्ष पर

सीमा पार निवेश में एशिया–प्रशांत क्षेत्र के शीर्ष– 10 पसंदीदा बाजारों में टोक्यो पहले स्थान पर है। सिडनी दूसरे, सिंगापुर तीसरे और हो ची मिन्ह सिटी चौथे स्थान पर है। दिल्ली के साथ सियोल, ओसाका व हनोई भी आठवें स्थान पर हैं।

वैश्विक गंतव्य के रूप में भारत सबसे आगे

सीबीआरई के चेयरमैन-सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में विदेशी निवेशकों के पूंजी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि वैश्विक रियल एस्टेट गंतव्य के रूप में भारत की बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण है। रियल्टी बाजार के स्थापित और नए दोनों क्षेत्रों में पूंजी प्रवाह जारी रहने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स और त्वरित आपूर्ति सेवाओं की मांग से लॉजिस्टिक उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

निर्यात की अनुमति के बाद भी चीनी मिलों को ऑर्डर पाने में हो रही परेशानी

घरेलू बाजार में 10 प्रतिशत बढ़े दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार से चालू सत्र 2024-25 के लिए 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति मिलने के बाद भी भारतीयों व्यापारियों को ऑर्डर पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। चार डीलरों ने कहा, भारतीय चीनी मिलें लंदन कीमतों से अधिक प्रीमियम मांग रही हैं, जिसे विदेशी खरीदार देने को तैयार नहीं हैं। भारत से चीनी निर्यात की गति भी घटकर तीन साल के निचले स्तर पर आ गई है। मुंबई के एक डीलर ने बताया, केंद्र से निर्यात की अनुमति मिलने के बाद से चीनी की स्थानीय कीमतें करीब 10 फीसदी बढ़ गई हैं। मिलें अब अपने 3.174 फीसदी के आवंटित कोटे के निर्यात के लिए वैश्विक कीमतों पर भारी प्रीमियम मांग रही हैं। डीलरों ने बताया, चीनी मिलों ने इस सप्ताह 20,000 टन सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात के लिए अनुबंध किया है। यह अनुबंध 490 से 510 डॉलर प्रति टन के बीच किया गया है, जो बेंचमार्क लंदन वायदा से करीब 10-25 डॉलर प्रति टन अधिक है। दरअसल, चीनी मिलों को सितंबर, 2025 से पहले आवंटित कोटे का निर्यात करना है, इसलिए वे अनुबंध में जल्दबाजी नहीं दिखा रही हैं। इसके बजाय वे चीनी की वैश्विक कीमतें बढ़ने का इंतजार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश ने आवंटित 2,74,184 टन के कोटे से करीब एक लाख टन चीनी निर्यात किया है।

दावोस से भारत 16 लाख+ नौकरियां और 20 लाख करोड़ के निवेश का वादा लेकर आया; देशों से मिलकर काम की अपील

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बैठक में भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। दुनिया की शीर्ष कंपनियों ने भारत में निवेश करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। निवेश की राशि करीब 20 लाख करोड़ रुपये है। डब्लूईएउफ की अगली वार्षिक बैठक 19-23 जनवरी, 2026 को दावोस में होगी।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक शुक्रवार को अनिश्चितता के इस दौर में साथ मिलकर काम करने के आह्वान के साथ समाप्त हुई। पांच दिवसीय इस बैठक में हिस्सा लेने वाले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बैठक में भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। दुनिया की शीर्ष कंपनियों ने भारत में निवेश करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। निवेश की राशि करीब 20 लाख करोड़ रुपये है। डब्लूईएउफ की अगली वार्षिक बैठक 19-23 जनवरी, 2026 को दावोस में होगी। बता दें कि बैठक में इस बार भारत ने दो पैवेलियन बनाए थे। इसमें भारत के 100 से अधिक सीईओ और अन्य शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया। वैष्णव ने कहा, दावोस में हमने अपने वैश्विक भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक परिदृश्य की संभावनाओं को पेश शानदार तरीके से पेश किया।

दुनिया के सामने आने वाले सभी व्यवधानों और सभी मुद्दों के बावजूद, भारत एक बहुत ही भरोसेमंद देश के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, हमने दुनिया को स्पष्ट रूप से दिखाया है कि सभी परिस्थितियों में भारत वह देश है जो शांति, सभी के लिए विकास में विश्वास करता है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र के प्रतिनिधिमंडल ने 15.70 लाख करोड़ रुपये के 61 निवेश समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इसमें 16 लाख नौकरियां पैदा करने की क्षमता है।

तेलंगाना ने 20 निवेश समझौते ज्ञापन हासिल किए

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा और अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित 1.79 लाख करोड़ रुपये के 20 निवेश समझौता ज्ञापन हासिल किए। इनसे लगभग 50,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। केरल ने प्रगतिशील सरकारी नीतियों द्वारा संचालित एक औद्योगिक केंद्र में अपने परिवर्तन पर जोर दिया। केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने इन्वेस्ट केरल पैवेलियन में 30 से अधिक आमने-सामने की बैठकें कीं और विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की निवेश क्षमता का उल्लेख किया।

भारत के पेय पदार्थ क्षेत्र में 25 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा– उत्तर प्रदेश ने 1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के अपने महत्वाकांक्षी नजरिये का प्रदर्शन किया और कई हजार करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वैश्विक पेय पदार्थ दिग्गज एबी इनबेव ने विभिन्न राज्यों में भारत के पेय पदार्थ क्षेत्र में 25 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा की है। भारत में हिंदुस्तान यूनिलीवर के रूप में काम करने वाली वैश्विक फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनी यूनिलीवर ने तेलंगाना में दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने की घोषणा की।

26-01-2025 Final_26-01-2025 Final.qxd 1/26/2025 12:33 AM Page 12

38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए खिलाड़ियों का पहुंचना शुरू, गर्मजोशी से स्वागत

हल्द्वानी, एजेंसी । बहुप्रतीक्षित 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से शुरू होने वाले हैं और खिलाड़ियों का आगमन आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। देश भर से 10,000 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने के अनुमान के साथ, उत्तराखंड में तैयारियों के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही उत्साह का माहौल है। ट्रायथलॉन प्रतियोगिता 26 जनवरी को हल्द्वानी में खेलों की शुरुआत करेगी, जिसमें भाग लेने के लिए विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी आएंगे। खिलाड़ियों का पहला जत्था शनिवार को हल्द्वानी पहुंचा।
खेल मंत्री रेखा आर्य ने खिलाड़ियों का व्यक्तिगत रूप से स्वागत किया और अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मैं 38वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए उत्तराखंड की धरती पर आए विभिन्न राज्यों की टीमों को हार्दिक बधाई देती हूं। देवभूमि के लोगों की ओर से मैं सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैंने स्थानीय अधिकारियों को अन्य राज्यों से हल्द्वानी पहुंचने वाली टीमों के स्वागत, परिवहन, आवास और भोजन की आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश पहले ही दे दिए हैं। आने वाले दिनों में शेष प्रतियोगिताओं के लिए हजारों और खिलाड़ी उत्तराखंड पहुंचेंगे। राज्य सरकार और स्थानीय लोगों में राष्ट्रीय खेलों को लेकर उत्साह साफ तौर पर देखा जा सकता है। प्रतियोगिताएं हल्द्वानी, देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और रुद्रपुर समेत कई शहरों में आयोजित की जाएंगी। 38वें राष्ट्रीय खेलों का भव्य उद्घाटन समारोह 28 जनवरी को देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का उद्घाटन करेंगे, जिससे खेलों का उत्साह और प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। उत्तराखंड के खूबसूरत राज्य में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों में न केवल विश्व स्तरीय खेल गतिविधियां देखने को मिलेंगी, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी। इस साल के राष्ट्रीय खेलों का विशेष महत्व है, क्योंकि राज्य अपनी स्थापना का 25वां रजत जयंती वर्ष मना रहा है।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में गुकेश ने अब्दुसात्तोरोव को बराबरी पर रोका

विज्क आन जी (नीदरलैंड), एजेंसी। साल के पहले बड़े टूर्नामेंट में अभी सात बाजियों के मुकाबले बाकी हैं। पी हरिकृष्णा, सर्बिया के एलेक्सी सरना और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव साढे तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठी बाजी में संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के साथ ड्रॉ खेला, जबकि आर प्रज्ञानंद ने गत चैंपियन चीन के वेई यी के साथ अंक साझा किए। अब्दुसात्तोरोव और प्रज्ञानंद संभावित छह में से 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज है जबकि गुकेश चार अंकों के साथ उनके बाद है।साल के पहले बड़े टूर्नामेंट में अभी सात बाजियों के मुकाबले बाकी हैं। पी हरिकृष्णा, सर्बिया के एलेक्सी सरना और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव साढे तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। गुकेश ने अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले में पकड़ ढीली पड़ने के बाद अच्छी वापसी की और 64 चालों के बाद इसे ड्रॉ करने पर सहमत हो गए।इस मुकाबले की शुरुआत इटालियन ओपनिंग (सफेद मोहरों से प्यादा और वजीर के चाल के जवाब में काले मोहरों से प्यादा और घोड़े (नाइट) की चाल) से हुई। शुरुआती चालों के बाद अब्दुसत्तोरोव ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू की। आखिरी कुछ चालों गुकेश को अपना एक मोहरा गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके लिए स्थिति तब और जटिल हो गयी जब अब्दुसत्तोरोव ने तीन प्यादों के लिए अपने घोड़े की बलि दे दी।

आईसीसी ने घोषित की टी20 टीम ऑफ द ईयर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने मेंस टी20 टीम ऑफ द ईयर की घोषणा कर दी है. आईसीसी ने साल 2024 की टीम के लिए रोहित शर्मा को कप्तानी दी है. उनके साथ कुल चार भारतीय खिलाड़ियों को इस टीम में जगह मिली है. लेकिन विराट कोहली को शामिल नहीं किया गया.
पाकिस्तान के खिलाड़ी बाबर आजम भी इस टीम का हिस्सा हैं. जिम्बाब्वे के खिलाड़ी सिकंदर रजा को भी मौका दिया गया है. आईसीसी ने कोहली को साल की टीम से बाहर करके हैरानी भरा फैसला ले लिया. हालांकि रोहित इस टीम का हिस्सा हैं और उन्हें कप्तान भी बनाया गया है. टीम इंडिया ने रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था. रोहित के लिए साल 2024 शानदार रहा. रोहित ने टी20 विश्व कप में तीन अर्धशतक जड़े थे. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले में 92 रनों की शानदार पारी खेली थी.
आईसीसी टीम में बाबर-हेड को मिली जगह - ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के बैटर फिलिप साल्ट भी आईसीसी की टीम का हिस्सा हैं. हेड ने 15 मैचों में 539 रन बनाए थे. जबकि साल्ट ने 17 मैचों में 467 रन बनाए थे. पाकिस्तानी बैटर बाबर ने 24 मैचों में 738 रन बनाए थे.
आईसीसी मेंस टी20 टीम ऑफ द ईयर 2024 - रोहित शर्मा (कप्तान), ट्रेविस हेड, फिलिप साल्ट, बाबर आजम, निकलोस पूरन, सिकंदर रजा, हार्दिक पांड्या, राशिद खान, वानिंदु हसरंगा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह

गिल का चला बल्ला, ठोका शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुरी तरह से फेल रहे थे और इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट का रुख किया। रणजी के इस सीजन में गिल ने कर्नाटक के खिलाफ पंजाब की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन पहली पारी में वो बुरी तरह से फेल रहे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने दमदार वापसी की।

कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में सिर्फ 4 रन पर आउट होने वाले गिल ने दूसरी पारी में बेहद विषम परिस्थिति में अपनी टीम पंजाब के लिए ओपन करते हुए शतक लगाया और फॉर्म में वापसी की। गिल का फॉर्म में आना भारत के लिए बेहतरीन खबर है क्योंकि टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 फरवरी से होगी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में गिल कप्तान रोहित के साथ टीम के लिए ओपन करेंगे और उनका फॉर्म में लौटना भारत के लिए काफी अच्छी खबर है। पंजाब की टीम ने दूसरी पारी में 84 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन गिल एक तरफ से खड़े रहे और आखिर में उन्होंने अपना शतक 159 गेंदों पर पूरा किया और अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 3 छक्के और 14 चौके भी लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये गिल का 14वां शतक रहा तो वहीं रणजी के इस सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाने का भी कमाल किया। हालांकि गिल दूसरी पारी में 102 रन बनाकर आउट हो गए और उन्होंने इस दौरान 171 गेंदों का सामना किया।

इस मैच की पहली पारी में पंजाब की टीम गिल की कप्तानी में सिर्फ 55 रन के स्कोर पर सिमट गई थी और इसके बादज मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक की टीम ने पहली पारी में 475 रन बनाए और 420 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। पंजाब को जीत के लिए इस मैच में 421 रन का टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम दूसरी पारी में 213 रन पर आउट हो गई और इस टीम को 207 रन से हार मिली। दूसरी पारी में गिल ने शतक जरूर लगाया, लेकिन वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

न्यूजीलैंड ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के लिए सीधी एंट्री पक्की की

दुबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए सीधी एंट्री हासिल कर ली है। यह तय हुआ जब बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ बासेटेरे में अपनी आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज का मैच हार गया। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दोनों ने 10 टीमों की इस प्रतियोगिता में 21-21 अंक बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड ने ज्यादा मैच (9) जीतने के कारण सीधी जगह बनाई, जबकि बांग्लादेश ने 8 मैच जीते थे। इस टूर्नामेंट में हर टीम ने 8 सीरीज खेली ङ्क 4 अपने देश में और 4 बाहर। भारत (मेजबान) और शीर्ष 5 अन्य टीमों ने वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया।

नीचे की चार टीमों को क्वालिफायर टूर्नामेंट के जरिए मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया ने 39 अंकों के साथ चैंपियनशिप जीती। भारत 37 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड (32), दक्षिण अफ्रीका (25), और श्रीलंका (22) भी सीधे वर्ल्ड कप में पहुंचीं। बांग्लादेश (21), वेस्टइंडीज (18), पाकिस्तान (17) और आयरलैंड (आठ) 31 अक्टूबर, 2024 तक दो अन्य सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीमों स्कॉटलैंड और थाईलैंड के साथ विश्व कप क्वालीफायर में शामिल हो जाएंगे। क्वालीफायर के विवरण की घोषणा आगे की जाएगी। क्वालीफायर के माध्यम से दो स्थान हासिल करने की संभावना है। 2025 में महिला वनडे वर्ल्ड कप भारत में होगा। यह पांचवीं बार है जब भारत इसकी मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत में आखिरी बार 2016 में महिला टी20 वर्ल्ड कप हुआ था। इस बार भी वर्ल्ड कप का फॉर्मेट 2022 जैसा रहेगा, जिसमें 8 टीमें कुल 31 मैच खेलेंगी।

अश्विन ने की बड़ी भविष्यवाणी...

जायसवाल जल्द करेगा टी-20 में वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया इस वक्त इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के दौरान एक स्टार खिलाड़ी को टीम इंडिया के स्क्वाड में मौका नहीं मिला। यह प्लेयर कोई और नहीं बल्कि यशस्वी जायसवाल है। जायसवाल को लेकर अब आर अश्विन ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। रविचंद्रन अश्विन ने भारत की टी20 टीम में यशस्वी जायसवाल की वापसी की वकालत की है। जायसवाल, जो टी20 विश्व कप 2024 की टीम का हिस्सा थे, रोहित शर्मा और विराट कोहली की मौजूदगी में टीम में जगह बनाने में असफल रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के बाद जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ कुछ मैच खेले, लेकिन बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में उनका चयन नहीं हुआ और इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्हें मौका नहीं मिला।

अश्विन का मानना है कि जायसवाल जल्द ही टीम में वापस आएंगे और उन्होंने यह भी कहा कि अगर शुभमन गिल और रुतुराज गायकवाड़ आगामी आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं को सही खिलाड़ियों को चुनने में दुविधा होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि यशस्वी जायसवाल को भी टी20 में वापस आना चाहिए। वह विश्व कप टीम में थे और उन्हें पसंदीदा सलामी बल्लेबाज होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आईपीएल के आगामी सीजन में अगर गिल और रुतुराज अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो यह चयनकर्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। अश्विन ने यह भी बताया कि दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि टीम चयन के दौरान, हमें उन खिलाड़ियों को महत्व देना चाहिए जो दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, क्योंकि यही खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंटों में काम आ सकते हैं। अश्विन का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का बड़ा समूह है।

कुश्ती की शीर्ष वैश्विक संस्था ने दी भारत को निलंबन की धमकी

नईदिल्ली, एजेंसी । कुश्ती की शीर्ष वैश्विक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसिलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारत को निलंबित करने की धमकी दी है। संस्था के अध्यक्ष नेनाद लालोविच ने लिखा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के आंतरिक मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप बंद नहीं हुआ और उसकी स्वायत्तता बरकरार नहीं रही तो उस पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। खेल मंत्रालय ने कुश्ती महासंघ को दिसंबर, 2023 से निलंबित कर रखा है। विश्व चैंपियनशिप में टीम तो भेज दी गई, लेकिन अन्य टूर्नामेंटों में टीमें नहीं जा पा रही हैं। क्रोएशिया आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए अब तक मंत्रालय की ओर से हरी झंडी नहीं मिली है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कुश्ती महासंघ के वर्तमान पदाधिकारियों को मान्यता देते हुए अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और अन्य गतिविधियों के लिए उन्हीं से संपर्क रखने की भी बात कही है।

रोचक होगी क्रिकेट, एक गेंद पर गिर सकते हैं 2 विकेट! बिग बैश लीग में बन रहा नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टी20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग के आगामी सीजन में डबल प्ले रन-आउट और नामित हिटर जैसे नए नियम आ सकते हैं ताकि मैचों को और रोचक बनाया जा सके। रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि बीबीएल15 के लिए महत्वपूर्ण नियम परिवर्तन लाने के लिए उच्च-स्तरीय चर्चा हुई थी। यदि दो बल्लेबाज अपनी क्रीज से बाहर हैं तो डबल-प्ले नियम के तहत दोनों छोर से बेल्स को हटाया जा सकता है। यह एक साहसिक बदलाव होगा जिसके लिए खिलाड़ियों और प्रसारकों की सहमति की आवश्यकता होगी।

इसके अलावा नामित हिटर नियम होगा। जिसके तहत विरोधी टीमों को एक खिलाड़ी को नामांकित करने की अनुमति होगी जो केवल बल्लेबाजी करेगा और उसे क्षेत्ररक्षण नहीं करना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हितधारकों के साथ आधिकारिक परामर्श अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन कुछ बेहतरीन क्रिकेट दिमाग मैचों को तेज करके और खेल के सबसे बड़े काम पर काम के बोझ को कम करके प्रतियोगिता की गुणवत्ता में सुधार करके प्रीमियर टूर्नामेंट को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

एक और नवीनता की खोज की जा रही है, जिसमें एक छोर से 12 गेंदें फेंकने वाली टीमों के साथ अंतिम बदलावों की संख्या आधी कर दी गई है और कप्तान के पास एक ही गेंदबाज को लगातार 12 गेंदें फेंकने की अनुमति देने का ऑप्शन होगा। सिडनी सिक्सर्स के बल्लेबाज जॉर्डन सिल्क से जब पूछा गया कि क्या तेज गेंदबाजों के लिए 12 गेंदें फेंकना बहुत ज्यादा बोझ होगा, तो उन्होंने जवाब दिया- वे नेट्स में ऐसा करते हैं। यह एक दुर्लभ घटना हो सकती है जहां आप इसे घटित होते देखेंगे।

38 साल के गेंदबाज ने हैट्रिक लेकर रचा इतिहास, ऐसा करने वाला बना पहला पाकिस्तानी स्पिनर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला मुल्तान में खेला जा रहा है. शनिवार 25 जनवरी को शुरू हुए इस मैच में 38 साल के नोमान अली ने अपनी घातक गेंदबाजी से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों पर कहर बरपा दिया. मैच के पहले ही दिन उन्होंने हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया है. टेस्ट में ये कारनामा करने वाले वो पहले पाकिस्तानी स्पिनर हैं. वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था.

लेकिन नोमान की घूमती हुई गेंदों का उसके बल्लेबाजों के पास कोई भी जवाब नहीं था. नतीजा ये हुआ कि वो 54 रन स्कोर पर ही 8 विकेट गंवा दिए. नोमान अली पिछले कुछ समय में कप्तान शान मसूद के लिए ट्रंप कार्ड बनकर उभरे हैं. इसलिए शान ने मुल्तान टेस्ट के पहले दिन 8वें ओवर में ही उन्हें गेंद थमा दिया. इसके बाद नोमान ने अपनी स्पिन गेंदबाजी का जादू दिखाया और अपने दूसरे ओवर में ही विकेट चटका दिया. इसके बाद वो पारी के 12वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और एक के बाद एक लगातार 3 विकेट झटककर इतिहास रच दिया. उन्होंने ओवर की पहली तीन गेंदों पर जस्टिन ग्रीव्स, टेविन इमलाच और केविन सिनक्लेयर को आउट करके अपना हैट्रिक पूरा किया. टेस्ट में ये कारनामा करने वाले वो पाकिस्तान के पहले स्पिनर हैं.

हैट्रिक लेने वाले 5वें पाकिस्तानी गेंदबाज

नोमान अली पाकिस्तान के लिए टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले पांचवें गेंदबाज हैं.

इससे पहले वसीम अकरम, अब्दुल रज्जाक, मोहम्मद समी, और नसीम शाह ये कारनामा कर चुके हैं. हालांकि, ये सभी तेज गेंदबाज नहीं थे. नोमान ने इंग्लैंड सीरीज से ही कहर बरपाया हुआ है. ये सिलसिला उन्होंने मौजूदा सीरीज में भी जारी रखा है. पहले टेस्ट में भी उन्होंने 5 विकेट चटकाए थे. अब दूसरे मैच में वो 8 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट हासिल कर चुके हैं और वेस्टइंडीज के बैटिंग लाइन अप की कमर तोड़ दी है.

वेस्टइंडीज का सरेंडर

पाकिस्तान की टीम ने स्पिन के तौर पर टेस्ट में जीत का नया फॉर्मूल पा लिया है. इसी का इस्तेमाल उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी किया. इस पाकिस्तानी फॉर्मूले के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने सरेंडर कर दिया. कप्तान शान मसूद ने टर्निंग ट्रैक पर पहले ही ओवर से स्पिन से अटैक शुरू कर दिया.

उन्होंने ऑफ स्पिनर साजिद खान से पारी की शुरुआत करवाई. हालांकि, पहली सफलता काशिफ अली ने दिलाई. लेकिन इसके बाद स्पिनरों ने कोहराम मचा दिया. साजिद खान ने 2 विकेट, नोमान अली ने 3 और लेग स्पिनर अबरार अहमद ने 1 विकेट हासिल किया. इस तरह से पाकिस्तान ने 54 के स्कोर पर ही वेस्टइंडीज के 8 बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया. खबर लिखे जाने तक वेस्टइंडीज की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 75 रन बना लिए थे.

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 26 जनवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

कृति ने छावा ट्रेलर को बताया ब्लॉकबस्टर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने फिल्म छावा के ट्रेलर की तारीफ की है साथ ही फिल्म को रिलीज से पहले ही ब्लॉकबस्टर बताया दिया है। वहीं कृति ने फिल्म में रश्मिका मंदाना और विक्की कोशल का लुक के बारे में भी प्रशंसा की है।कृति सेनन ने विक्की कौशल स्टारर फिल्म छावा के ट्रेलर की तारीफ करते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर छावा का ट्रेलर शेयर किया और साथ ही शानदार नोट भी लिखा। कृति ने अपने छावा के ट्रेलर को ब्लॉकबस्टर बताया साथ ही छावा की मुख्य जोड़ी यानी रश्मिका और विक्की के प्रभावशाली लुक की भी सराहना की है।

कृति ने की छावा के ट्रेलर की तारीफ

अर्जुन कपूर, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट ने भी ट्रेलर की तारीफ कर चुके हैं।

फिल्म 14 फरवरी को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में छावा का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, बड़े पैमाने पर मेगा ब्लॉकबस्टर लोड हो रहा है... रोंगटे! लक्ष्मण उतेकर सर!! क्या बात है !! सभी कास्ट को टैग करते हुए कृति ने लिखा सबसे अच्छा लग रहा है। रश्मिका का मराठी अवतार पसंद आया। रॉयल और बिल्कुल आश्चर्यजनक। पूरी टीम को शुभकामनाएं। रश्मिका मंदाना ने कृति के इस पोस्ट पर प्यारे इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

कृति के अलावा बॉलीवुड के कई स्टार्स ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर छावा की तारीफ की है। अर्जुन कपूर ने ट्रेलर शेयर किया और लिखा, यह शक्तिशाली कहानी और लुभावने दृश्यों के साथ एक भव्य ऐतिहासिक तमाशा का वादा करता है। 14 फरवरी को सिनेमाघरों में छावा को मिस न करें मैडॉकफिल्म्स और अरहमान। आलिया भट्ट ने भी ट्रेलर की प्रशंसा की और लिखा, ट्रेलर बिल्कुल शानदार है। हर तरफ रोंगटे खड़े हो गए।

बैंकॉक में लोकल बैंड के साथ श्रुति हासन ने दी प्रस्तुति, इंस्टाग्राम पर शेयर की एक झलक

फिल्म अभिनेत्री श्रुति हासन जो वर्तमान में रजनीकांत स्टारर फिल्म कुली की शूटिंग के लिए बैंकॉक में हैं। उन्होंने हाल ही में एक अप्रत्याशित प्रदर्शन से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

अभिनेत्री के करीबी सूत्रों का कहना है कि काम खत्म करने के बाद श्रुति और उनकी टीम ने शहर घूमने का फैसला किया और उन्हें एक लाइव म्यूजिक स्थल मिला। जहां श्रुति ने लाइव बैंड का भरपूर आनंद लिया। श्रुति ने लाइव बैंड में प्रस्तुति दी, उनके सहज प्रदर्शन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिससे यह शाम यादगार बन गई।

अभिनेत्री कुछ बेहतरीन म्यूजिक को इस साल रिलीज करने की योजना बना रही हैं। साथ ही अपनी एक्टिंग के साथ संतुलन बनाने की भी योजना बनाई है। इसमें रजनीकांत स्टारर कुली भी शामिल है, जिसे साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक माना जा रहा है। रजनीकांत ने फिल्म की शूटिंग के लिए बैंकॉक रवाना होते समय बताया था कि फिल्म की 70 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है और मौजूदा शूटिंग 13 जनवरी से 28 जनवरी तक चलेगी। श्रुति हासन ने नए साल की शुरुआत खुशी के साथ की है। श्रुति ने विजय सेतुपति की आने वाली फिल्म 'ट्रेन' के लिए भी अपनी आवाज दी है, जिसका निर्देशन और संगीत मैसस्किन का है।

यह ट्रैक श्रुति द्वारा संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ मिलकर 'इट्स ए ब्रेक अप दा' ट्रैक बनाने के ठीक एक सप्ताह बाद आया है।

श्रुति सिर्फ गायिका, संगीतकार और अभिनेत्री ही नहीं हैं। वह एक बेहतरीन गीतकार भी हैं। श्रुति ने 'एज', 'मॉन्स्टर मशीन' और 'इनिमेल' जैसे अपने सिंगल्स से म्यूजिक जगत में धूम मचाई है।

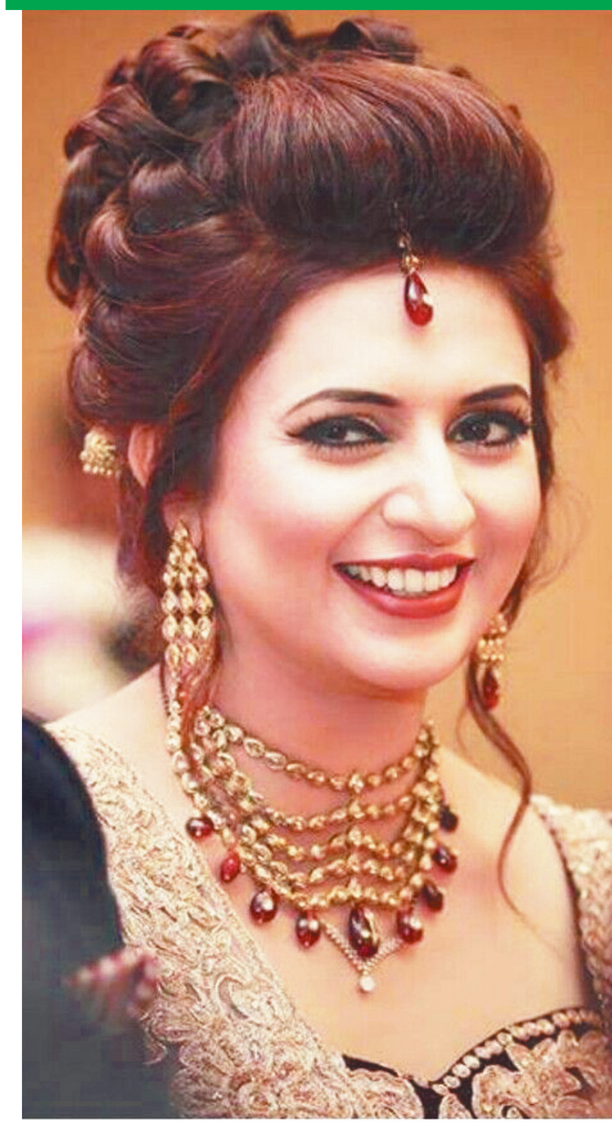

दिव्यांका त्रिपाठी ने फैंस से पूछा-

क्या आप मुझे व्लॉगिंग करते देखना चाहते हैं?

सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी जल्द ही व्लॉगिंग की दुनिया में प्रवेश कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने इसे लेकर आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है, लेकिन संकेत जरूर दे दिया है! सोशल मीडिया पर सक्रिय दिव्यांका त्रिपाठी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अपडेट देती रहती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट पोस्ट में प्रशंसकों से एक सवाल पूछा है।

अपनी कुछ नई तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, आज का सवाल, मैं अपने जीवन और कुछ अनुभवों को आपके साथ साझा करने के बारे में सोच रही हूं। आप मुझे बताइए, क्या आप मुझे व्लॉगिंग करते देखना चाहते हैं?

इंस्टाग्राम पर साझा किए गए तस्वीरों में दिव्यांका कैमरे की ओर मुस्कुराकर देख रही हैं। इंस्टाग्राम पर खासा सक्रिय दिव्यांका का अकाउंट उनकी एक से बढ़कर एक वीडियो से भरा पड़ा है। वर्कआउट, फैमिली इवेंट, फिल्म या शो से जुड़े पोस्ट अक्सर प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। दिव्यांका के पोस्ट से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेहतरीन अभिनेत्री अब व्लॉग शुरू करने की तैयारी में हैं। जबकि दिव्यांका के पति और अभिनेता विवेक दहिया पहले से ही व्लॉग चलाते हैं। यू ट्यूब चैनल पर उनके लगभग तीन लाख सब्सक्राइबर हैं। व्लॉग पर वह कभी अपनी छुट्टियों की तो कभी मजेदार वीडियोज साझा करते रहते हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में घर में पड़ी एक शादी के वीडियो को इंस्टाग्राम पर साझा कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था, मिलना मिलाना, साथ तैयारियां करना, साथ खाना, घर की शादी मतलब हर पल आनंददायक। वीडियो में दिव्यांका और विवेक अपने परिवार और करीबियों संग खूब मस्ती करते नजर आए थे। दिव्यांका त्रिपाठी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की आखिरी रिलीज सोनी लिव की सीरीज अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज थी, जिसमें वह अंडरकवर एजेंट पार्वती सहगल के किरदार में नजर आई थीं। यह सीरीज एजेंसी आईबी47 पर बनी है।

रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज में भाग लेने के साथ दिव्यांका ने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अभिनेत्री ने बनूं मैं तेरी दुल्हन में काम किया था। अभिनेत्री खाना खजाना, नचले वे विद सरोज खान, जोर का झटका- टोटल वाइप आउट, कॉमेडी सर्कस, नच बलिए 8 और फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी जैसे शो में भी भाग ले चुकी हैं।

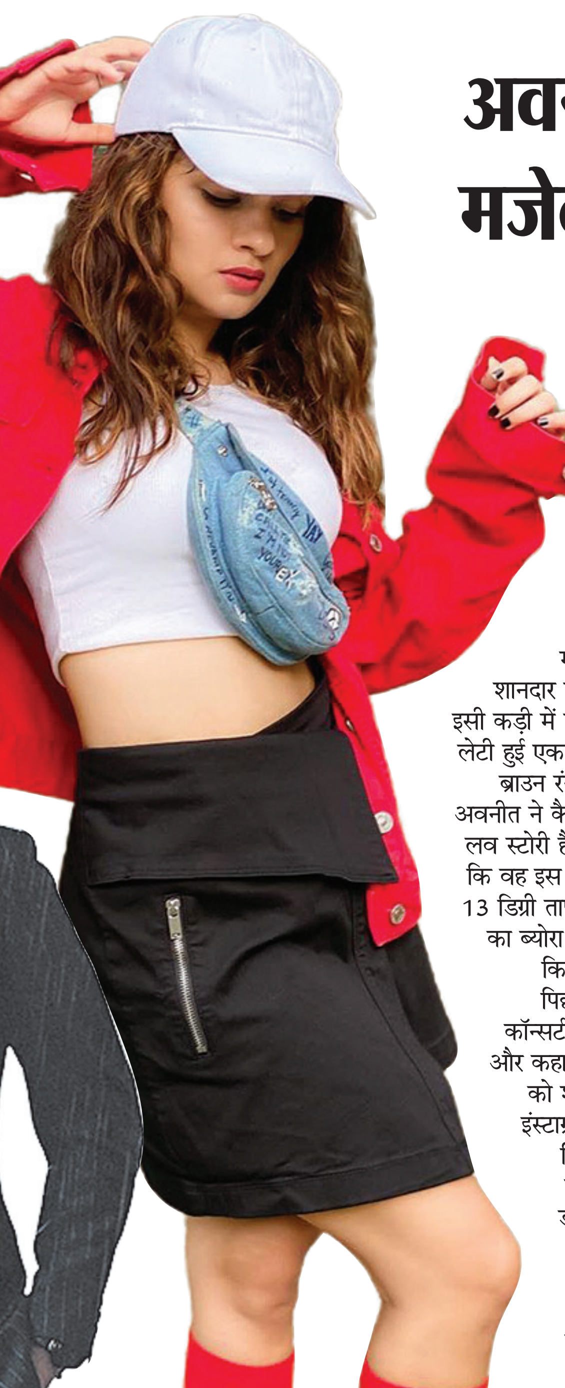

अवनीत कौर ने मजेदार अंदाज में सुनाई अपनी 'लव स्टोरी'

अभिनेत्री अवनीत कौर ने आखिरकार अपनी लव लाइफ के बारे में बात की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने मजेदार अंदाज में 'लव स्टोरी' सुनाई। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासा सक्रिय रहती हैं और अपनी शानदार पोस्ट को प्रशंसकों संग साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बिस्तर पर लेटी हुई एक शॉर्ट वीडियो साझा की। शॉर्ट वीडियो में वह ब्राउन रंग की स्वेटशर्ट पहने सेल्फी लेती नजर आईं। अवनीत ने कैप्शन में लिखा, मैं और मेरा बिस्तर, यह एक लव स्टोरी है। एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने बताया था कि वह इस समय जम्मू-कश्मीर में हैं। बताया कि उन्होंने 13 डिग्री तापमान में शूटिंग की। हालांकि, उन्होंने प्रोजेक्ट का ब्योरा नहीं दिया। नहीं बताया कि वो फिल्म की या किसी सीरीज की शूटिंग के लिए वहां पहुंचीं हैं। पिछले हफ्ते ही अवनीत अबू धाबी में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं, जिसे उन्होंने बेस्ट बताया और कहा कि वापस जाकर लोगों संग उन हसीन पलों को शेयर करना चाहती हैं। अवनीत ने इसके बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज में कॉन्सर्ट के कई वीडियो साझा किए थे। एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2010 में डांस शो 'डांस इंडिया डांस' लिटिल मास्टर्स से करियर की शुरुआत की थी। साल 2012 में 'मेरी मां' से अवनीत ने अभिनय यात्रा शुरू की। इसके बाद वह 'टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं', 'झलक दिखला जा' में नजर आईं। 2013 में उन्होंने 'सावित्री - एक प्रेम कहानी' और 'एक मुट्ठी आसमान' में काम किया। अवनीत ने साल 2014 में रिलीज प्रदीप सरकार की 'मर्दानी' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

अक्षय कुमार का मुंबई अपार्टमेंट बिका, डबल कीमत में हुई बिक्री, नवंबर 2017 में खरीदा था

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स आज रिलीज हो गई है। इसी बीच आज यह जानकारी सामने आई है कि अक्षय कुमार ने कथित तौर पर मुंबई वाला अपार्टमेंट बेच दिया है, जो डबल कीमत पर बिका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार यानी आज यह जानकारी सामने आई है कि अक्षय कुमार द्वारा बेची गई संपत्ति स्काई सिटी में स्थित है और यह 25 एकड़ में फैली हुई है। कथित तौर पर नवंबर 2017 में अक्षय कुमार द्वारा 2.38 करोड़ रुपये में खरीदा गया मुंबई वाला अपार्टमेंट 4.25 करोड़ रुपये में बेचा दिया गया है। इसकी बिक्री में 78 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है।

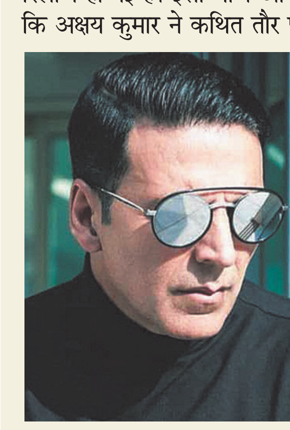

कितना बड़ा है अपार्टमेंट

कथित तौर पर अक्षय कुमार का मुंबई अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1,073 वर्ग फुट का है और इसमें दो कार पार्किंग भी शामिल हैं। लेनदेन में 25.5 लाख रुपये का स्टांप और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क खर्च हुआ है।

एक साथ फिल्म में नजर आएंगे महेश बाबू और प्रियंका !

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ अपनी अगली फिल्म की पुष्टि कर दी है। सोशल मीडिया पर किए पोस्ट पर इस घोषणा के बाद से चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ अपनी अगली फिल्म की पुष्टि कर दी है। हालांकि, यह कोई सामान्य घोषणा नहीं थी। राजामौली दर्शकों को यह बताने के लिए मजाक करते थे कि उन्होंने शेर को पिंजरे में बंद कर दिया है और अभिनेता का पासपोर्ट भी अपने कब्जे में ले लिया है, क्योंकि वह अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त होंगे।

महेश बाबू ने कही ये बात

महेश बाबू ने अपनी 2006 की ब्लॉकबस्टर पोकिरी के एक मशहूर डायलॉग के साथ पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तेलुगु में लिखा, एक बार जब मैं कमिट कर देता हूं, तो मैं खुद की भी नहीं सुनता।

पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने कही ये बात

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में हैदराबाद पहुंचने की घोषणा की और अपने जीवन में एक नए अध्याय का संकेत दिया। प्रियंका चोपड़ा ने पोस्ट पर आखिरकार टिप्पणी करके फिल्म में अपनी भागीदारी की पुष्टि भी की। इसके बाद प्रियंका चोपड़ा के फैंस भी बहुत खुश हैं।

इसलिए शेर कह रहे हैं प्रशंसक

अगर आप सोच रहे हैं कि शेर क्यों, तो महेश बाबू के प्रशंसक उन्हें तब से शेर कह रहे हैं, जब से उन्होंने डिज्नी फिल्म के तेलुगु संस्करण में मुफासा की आवाज दी थी। शाहरुख खान ने मुफासा- द लायन किंग के हिंदी संस्करण को आवाज दी थी।

उर्वशी रौतेला जस्ट म्यूजिक के गीत फरारी के साथ एक और पॉप हिट देने के लिए तैयार हैं

अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी 2025 की शुरुआत नए इरादों के साथ शुरू कर रहे हैं। उनकी कंपनी जस्ट म्यूजिक ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर, दुनिया भर में एक नया गीत फरारी रिलीज किया है. इस भोजपुरी पॉप गीत को अक्षरा सिंह और राजा हसन ने आवाज दी है। अक्षरा ने जिस तरह से अपनी ताज़गी भरी, युवा आवाज से इस गीत में प्राण फूंकें हैं, उससे प्रशंसक रोमांचित हैं। गीत को रचा है तनिष्क बागची ने, जिनकी कृति धोलिदा ने उनके नाम की पहचान हर संगीत प्रेमी से करवा दी थी.

इस संभावित चार्टबस्टर के शानदार वीडियो में प्रसिद्ध अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया उर्वशी रौतेला के साथ डांस इंडिया डांस फेम के सनम जौहर भी शामिल हैं।

वीडियो का निर्देशन राहुल शेट्टी ने किया है, जिन्होंने बड़ी खूबसूरती से कोरियोग्राफी भी डिजाइन की है। जैकी भगनानी कहते हैं, जस्ट म्यूजिक एक अद्वितीय स्थान बनाने का प्रयास करता रहा है जहां विविधता मुख्य है. हम प्रयास कर रहे हैं कि भारत की कई संगीत धाराओं को एकजुट कर, एक साथ लाएं । हमारी नवीनतम पेशकश, फ़रारी, देसी पॉप शैली का सच्चा प्रमाण है, जो पारंपरिक भोजपुरी-हिंदी लय को आधुनिक अपील के साथ मिश्रित करती है. इसी लिए ये गीत युवाओं को आकर्षित कर रहा है।

रैपर एमिवे बंटाई ने गायिका स्वालिना से रचाई शादी, फैंस के साथ साझा कीं प्यारी तस्वीरें

रैपर एमिनेम बटाई ने अपने प्रशंसकों को चौंका दिया, क्योंकि उन्होंने अभिनेत्री और गायिका स्वालिना के साथ अपने शादी की तस्वीरें साझा कीं। दोनों ने 2023 के संगीत वीडियो, कुडी में एक साथ काम किया। लोकप्रिय रैपर एमिवे बंटाई ने अभिनेत्री-गायिका स्वालिना के साथ शादी रचा ली है। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट करके प्रशंसकों को चौंका दिया। एमिवे बंटाई और स्वालिना ने 2023 में हिट ट्रैक कुडी पर साथ काम किया था। इस कपल ने अपने खास दिन के पलों को इंस्टाग्राम पर साझा किया।

एमीवे और स्वालिना दोनों ने अपने खास दिन के लिए रिच प्लम आउटफिट चुना। स्वालिना ने अपने प्लम ब्लाउज को डस्टी रोज लहंगे के साथ पेयर किया। उन्होंने अपने पारंपरिक आउटफिट में आधुनिक टच जोड़ते हुए अपने शेड्स में पोज दिया। अपने खास दिन पर यह कपल मुस्कुराता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में उन्होंने अल्हम्दुलिल्लाह लिखा।

इस खबर से प्रशंसक बहुत खुश हुए। इंटरनेट पर लोगों ने बधाई संदेश कमेंट में भेजे। कुछ लोग तो इतने हैरान हुए कि उन्होंने कहा कि शायद यह किसी संगीत वीडियो के लिए हो सकता है। एमिवे बंटाई का मूल नाम बिलाल शेख है।

-साभार एजेंसी